RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 39 ता.04 अगस्त 2021, बुधवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

LAC पर मौजूदा गतिरोध को और आगे ले जाने के पक्ष में नहीं है चीन, सकारात्मक दिशा में बढ़ने के संकेत

नई दिल्ली। भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी सैन्य टकराव का तेजी से हल निकालने की दिशा में आगे बढ़ने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के कोर कमांडरों के स्तर पर हुई 12वें दौर की सैन्य वार्ता को रचनात्मक बताते हुए दोनों देश एलएसी के सभी लंबित मसलों का समाधान निकालने पर सहमत हुए हैं। लंबे अंतराल के बाद हुई कोर कमांडरों की इस वार्ता के सकारात्मक दिशा में बढ़ने का संकेत देने के लिए दोनों देशों की ओर से इस बारे में संयुक्त बयान भी जारी किया गया। बातचीत के दौरान भारत और चीन दोनों इस पर भी सहमत हुए कि अंतरिम तौर पर दोनों पक्ष एलएसी पर पश्चिमी सेक्टर में संयुक्त रूप से शांति और स्थायित्व बनाए रखेंगे। संयुक्त बयान में शांति और स्थायित्व बनाए रखने के जिक्र से एक बात साफ है कि चीन भी एलएसी पर मौजूदा गतिरोध को और आगे ले जाने के पक्ष में नहीं है। भारत-चीन के कोर कमांडरों के बीच 31 जुलाई की बैठक के बाद सोमवार को भारतीय सेना ने यह साझा बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी इलाके में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैनिकों को हटाने समेत अन्य लंबित मुद्दों का समाधान निकालने पर गहन और खुली बातचीत की। इस बैठक में दोनों देशों ने माना कि 12वें दौर की यह बैठक रचनात्मक रही। इस वार्ता से दोनों पक्षों की आपसी समझदारी और बढ़ी है। दोनों कोर कमांडरों के स्तर पर यह सहमति बनी कि एलएसी के बाकी बचे मसलों का तेजी से मौजूदा समझौतों और प्रोटोकाल के तहत समाधान निकाला जाए। कोर कमांडरों के बीच 12वें दौर की यह वार्ता चीन के मोल्डो सैन्य बेस पर हुई थी, जो नौ घंटे चली। यह बातचीत भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच 14 जुलाई को दुशांबे में हुई बैठक और सीमा मामलों से जुड़े कार्यसमूह की 25 जून को हुई बैठक के दौरान की गई चर्चाओं के बाद हुई।

2030 तक दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश बन जाएगा भारत... पूर्व अमेरिकी राजदूत ने गिनाए कारण

नई दिल्ली। 2030 तक भारत हर क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है। यह कहना है कि अमेरिका के एक पूर्व शीर्ष राजनयिक का। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र एक साथ बहुत कुछ कर सकते हैं। रिचर्ड वर्मा ने कहा, ÷मैं वर्ष 2030 को देखता हूं और मुझे एक ऐसा भारत दिखाई देता है जो लगभग हर वर्ग में दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

उन्होंने कहा, सबसे अधिक आबादी वाला देश, सबसे अधिक कॉलेज स्नातक, सबसे बड़ा मध्यम वर्ग, सबसे अधिक सेल फोन और इंटरनेट उपयोगकर्ता, तीसरी सबसे बड़ी सैन्य ताकत और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में 25 साल से कम उम्र के 60 करोड़ लोग हैं।

रिचर्ड वर्मा ने कहा, हमारी आंखों के ठीक सामने आज भारत बड़े पैमाने पर हो रहे विकास के मामले में शीर्ष पर है। अगले दशक में बुनियादी ढांचे के

विकास पर करीब 2 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए जाएंगे। 2030 के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का बड़ा हिस्सा बनाया जाना बाकी है। इसलिए आज अकेले करीब 100 नए हवाईअड्डों की योजना बनाई जा रही है या निर्माण किया जा रहा है।

जिंदल यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस में अपने शुरुआती संबोधन में, भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत ने युवा छात्रों से कहा कि भारत में एशिया में सबसे युवा कार्यबल है। उन्होंने कहा, आपको इसका फायदा 2050 तक मिलता रहेगा। उन्होंने ड्राइविंग साझा समृद्धि - अमेरिका-भारत संबंधों के लिए एक 21 वीं सदी की प्राथमिकता पर अपनी टिप्पणी में यह बात कही।

उन्होंने कहा, हम इस युग की शुरुआत वर्ष 2000 में राष्ट्रपति क्लिंटन की भारत यात्रा के साथ करते हैं। दशकों तक कुछ दूर रहने और यहां तक कि कभी-कभी अलग रहने के बाद भी यह एक सफल यात्रा थी। अपने संबोधन में, वर्मा ने कहा कि अब रिश्ते को निभाने का समय आ गया है।

रिचर्ड वर्मा ने कहा, अब हमारे लोगों के लिए परिणाम देने का समय आ गया। यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन यह हमारे लिए यहां अमेरिका में और विशेष रूप से भारत में आप सभी के लिए रोमांचक भी है। ठीक वैसा ही जैसा कि आप अपनी पढ़ाई और फिर करियर की शुरुआत करते हैं।

उन्होंने कहा, मैं इस विषय की इतनी परवाह करता हूं और आज आपसे इसके बारे में बात करना चाहता हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि यह इस सदी का सबसे महत्वपूर्ण रिश्ता है। हम एक साथ इतना कुछ कर सकते हैं। उन्होंने समझाया, भारत महामारी से जूझ रहा है। आतंकवाद का मुकाबला कर रहा है। इसके बावजूद नए नवाचारों और समाधानों को बाजार में ला रहा है जो लोगों के जीवन को आसान, सुरक्षित, हरा-भरा, अधिक समृद्ध, अधिक समावेशी और अधिक सुरक्षित बनाएंगे। वर्मा ने यह भी कहा कि जब उन्होंने हर भारतीय राज्य की यात्रा की, तो उन्होंने भारत की ऐसी वृद्धि की तस्वीर पहली बार देखी।

उन्होंने आगे कहा, यही कारण है कि मैं आप सभी के लिए बहुत उत्साहित हूं। आपकी उंगलियों पर दुनिया है। आपके देश की अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में एक अग्रणी सीट होगी। आपके व्यवसाय विश्व स्तर पर आर्थिक विकास और नवाचारों को शक्ति प्रदान करते रहेंगे। आप आज और भविष्य में क्या भूमिका निभाना चाहते हैं, यह आप सभी चुन सकते हैं।

● सबसे अधिक आबादी वाला देश, सबसे अधिक कॉलेज स्नातक, सबसे बड़ा मध्यम वर्ग, सबसे अधिक सेल फोन और इंटरनेट उपयोगकर्ता, तीसरी सबसे बड़ी सैन्य ताकत और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ, दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में 25 साल से कम उम्र के 60 करोड़ लोग हैं। रिचर्ड वर्मा ने कहा, हमारी आंखों के ठीक सामने आज भारत बड़े पैमाने पर हो रहे विकास के मामले में शीर्ष पर है। अगले दशक में बुनियादी ढांचे के विकास पर करीब 2 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए जाएंगे।

'मिनी' थर्ड वेव की दस्तक?

केरल ही नहीं देश के 13 राज्यों में बढ़े कोरोना के नए मामले

नई दिल्ली। केरल ही नहीं बल्कि उसके पड़ोसी राज्यों में भी पिछले कुछ दिनों से कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। बीते हफ्ते देश के 13 राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। सिर्फ तमिलनाडु ऐसा राज्य है जहां संक्रमण के मामलों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में भी 26 जुलाई से 1 अगस्त तक के हफ्ते के बीच पिछले सप्ताह की तुलना में नए मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश में यह बढ़ोतरी 64 प्रतिशत है, जो कि पूरे देश में सबसे ज्यादा है। यहां नए मामले प्रतिदिन 670 से बढ़कर 1100 तक पहुंच गए हैं। उत्तराखंड में भी नए मामले 61 फीसदी तक बढ़ गए हैं। हालांकि, यहां मामले 272 से बढ़कर 437 हुए हैं। जम्मू-कश्मीर में भी कोरोना के मामले 26 फीसदी बढ़ गए हैं। दिल्ली जहां एक हफ्ते में सिर्फ 381 नए मामले सामने आए, वहां भी संक्रमण 15 फीसदी बढ़ गया है। राजधानी में बीते हफ्ते 440 नए मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं, पड़ोसी राज्य हरियाणा में भी कोरोना के मामले 2 फीसदी बढ़े हैं। हालांकि, कुल संख्या देखें तो केरल में कोरोना के मामलों में साप्ताहिक बढ़ोतरी बहुत ज्यादा है। बीते हफ्ते राज्य में कोरोना 1.4 लाख नए मामले आए। हर

दिन यहां 20 हजार से ज्यादा नए केस दर्ज किए गए, जिससे कुल मामले 27 फीसदी बढ़े। बड़ी बात यह है कि सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में भी संक्रमण के मामले 11 फीसदी घटे हैं। राज्य में पिछले हफ्ते 45 हजार 272 नए मामले आए हैं, जबकि उससे बीते हफ्ते यह आंकड़ा 50 हजार 732 था।

पोर्नोग्राफी मामला : लगातार सुबूतों को नष्ट कर रहे थे राज कुंद्रा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा पोर्नोग्राफी से संबंधित सुबूतों को लगातार नष्ट कर कर रहे थे। इसलिए पोर्न फिल्में बनाने और उसे एप पर जारी करने के कारनामे की जांच के लिए उन्हें गिरफ्तार करना पड़ा। कुंद्रा की ओर से गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई जिसमें सरकारी वकील ने उनके पोर्न बिजनेस को लेकर कई राज खोले। हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई पूरी कर ली और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट इस पर बाद में फैसला सुनाएगा। पोर्न फिल्में बनाने के आरोप में गिरफ्तार राज कुंद्रा ने अपनी गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए हाईकोर्ट में चुनौती दी है। न्यायमूर्ति अजय गडकरी ने इस मामले की सुनवाई की। सरकारी वकील अरूणा पई ने कुंद्रा के अश्लील कारोबार को लेकर कई दलीलें दी। उन्होंने तथ्यों के साथ यह बताने की कोशिश की कि उनकी गिरफ्तारी क्यों जरूरी थी। उन्होंने बताया कि कुंद्रा एक ब्रिटिश नागरिक हैं और लगातार सुबूतों को नष्ट करने में लगे थे। ऐसे में क्या पुलिस मूकदर्शक बनी रहती। वहीं, कुंद्रा के वकील आबाद पोंडा ने

पुलिस की दलीलों का खंडन किया। जबकि रायन थॉर्प के वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने कहा कि उनके मुवक्किल को भादंसं की धारा 41(ए) के तहत नोटिस दिया गया था लेकिन जवाब देने का समय नहीं दिया गया। सरकारी वकील ने दलील दी कि कुंद्रा हॉटशॉप एप के एडमिन हैं। तलाशी के दौरान पुलिस ने लैपटॉप सहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। कुंद्रा के लैपटॉप से यूजर फाइल्स, इमेल्स, मैसेज, फेसटाइम, इंटरनेट ब्राउजिंग हिस्ट्री मिले हैं जिसमें सब्सक्राइबर डिटेल्स और अलग-अलग तरह के इनवॉइस भी मिली है। क्राइम ब्रांच को स्टोरेज नेटवर्क से 51 एडल्ट फिल्में मिली है जबकि 68 अश्लील मूवी भी मिली हैं। इसके अलावा सेक्सुअल कंटेंट के साथ फिल्मों की स्क्रिप्ट मिली है। जब राज कुंद्रा ने भादंसं की धारा 41(ए) के नोटिस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया तब उन्हें गिरफ्तार करना पड़ा। कुंद्रा और उनकी कंपनी वियान इंडस्ट्रीज के आईटी हेड रायन थॉर्प को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 19 जुलाई को गिरफ्तार किया था। उसके बाद दोनों कोर्ट के आदेश से 27 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में रहे। इस बीच 25 जुलाई को कुंद्रा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गिरफ्तारी को यह कहते हुए चुनौती दी थी कि पुलिस ने अवैध तरीके से गिरफ्तार किया है। फिलहाल, कुंद्रा और थॉर्प 14 दिन की न्यायिक हिरासत में हैं।

सुप्रीम कोर्ट : आम्रपाली अधूरी परियोजनाओं की निगरानी हम कर रहे, निश्चिंत रहें बैंक

नई दिल्ली। आम्रपाली की अधूरी परियोजनाओं को पूरा करने को लेकर बैंकों द्वारा सिक्योरिटी और बैंक गारंटी को लेकर चिंता पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एतराज जताया। शीर्ष अदालत ने कहा कि अब आम्रपाली की परियोजनाओं की निगरानी हम कर रहे हैं अतः बैंकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

अदालत ने सुरक्षा एवं बैंक गारंटी पर बैंकों की चिंता पर जताया एतराज-जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस अजय रस्तोगी की पीठ ने कहा कि सिक्योरिटी, बैंक गारंटी आदि की चिंता छोड़ कर बैंकों को फंडिंग के लिए आगे आना चाहिए। पीठ ने कहा कि बैंकों को पर्सनल गारंटी या फिर अन्य तरह की गारंटी व गिरवी रखवाने की जरूरत नहीं है। हम पूरे मामले को देख रहे हैं, इसलिए बैंकों को किसी भी तरह का कोई घाटा नहीं होने जा रहा है। अगर भविष्य में किसी कारणवश कुछ हुआ तो बैंकों के हित को अदालत देखेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कोर्ट रिसीवर वरिष्ठ वकील आर वेंकटरमनी से कहा है कि वह बैंक अधिकारियों के साथ इस मामले पर बैठक कर रिपोर्ट दे। बैठक अगले सोमवार तक करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में बैंकों के वकीलों को भी शामिल करने के लिए कहा गया है। अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी।

बैंकों की चिंता, नई फंडिंग के लिए क्या गारंटी होगी-दरअसल बैंकों के मन में दुविधा इस बात को लेकर थी कि इन परियोजना के लिए की जाने वाली फंडिंग लिए क्या गारंटी दी जाएगी।

625 करोड़ की फंडिंग का रास्ता साफ

सुनवाई के दौरान कोर्ट रिसीवर ने बताया कि आम्रपाली की परियोजनाओं के लिए एसबीआई कैप की ओर से प्रस्तावित 625 करोड़ की फंडिंग का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने बताया कि दस्तावेज से जुड़ी कुछ कार्यवाही बची हुई थी, जो पूरी हो चुकी है। आम्रपाली की छह परियोजनाओं के लिए एसबीआई कैप की ओर से फंडिंग हो रही है।

कोरोना से जंग: जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे जा रहे 10 में से तीन सैंपल हो रहे खराब

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के म्यूटेशन को जानने के लिए देश में आठ महीने से जीनोम सीक्वेंसिंग चल रही है। हर राज्य से कम से कम पांच फीसदी सैंपल की सीक्वेंसिंग अनिवार्य है, लेकिन ज्यादातर राज्यों से तीन फ़ीसदी भी सैंपल नहीं मिल पा रहे हैं। अब जीनोम सीक्वेंसिंग को लेकर नई परेशानी यह है कि 10 में से तीन सैंपल लैब पहुंचने तक खराब हो रहे हैं। अब तक 23 फीसदी से ज्यादा सैंपल खराब हो चुके हैं जिनकी लैब में जीनोम सीक्वेंसिंग नहीं हो पाई। स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, देश के अलग-अलग इलाकों में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए अब तक 57476

सैंपल पहुंच चुके हैं, जिनमें से 44334 सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग पूरी हो पाई है। एक सैंपल को लैब तक पहुंचने में करीब 15 से 18 दिन का वक्त लग रहा है, जबकि वैज्ञानिकों के अनुसार इस अंतर को घटाकर 7 से 8 दिनों तक करना बहुत जरूरी है। साथ ही जिला स्तर पर सैंपल लेने और ट्रांसपोर्ट के दौरान उचित देखभाल बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिसंबर 2020 में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए देश में इन्साकॉग का गठन किया गया था। अभी तक देश की 28 लैब में जीनोम सीक्वेंसिंग हो रही है जिसके जरिए कोरोना वायरस के 332 म्यूटेशन की पहचान करने में कामयाबी मिल चुकी है। उन्होंने बताया कि इन्साकॉग आग के जरिए फिर से राज्यों को दिशा निर्देश जारी करते हुए सैंपल को लैब तक पहुंचाने की अवधि साथ में 10 दिन के भीतर रखने के लिए कहा गया है।

अमेरिका के बाद भारत में भी मिला डेल्टा-3

इन्साकॉग से मिली जानकारी के मुताबिक अमेरिका के बाद अब भारत में भी डेल्टा तेरी वैरिएंट सामने आ चुका है। अमेरिका में डेल्टा तरीके सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। वहां वैज्ञानिकों ने अध्ययन के जरिए जानकारी दी है कि अमेरिका में डेल्टा-3 वैरिएंट काफी तेज और आक्रामक हैं। अब तक 2000 से भी अधिक सैंपल में इसकी पुष्टि हो चुकी है। भारत में भी मामले सामने आने लगे हैं। पिछले दो सप्ताह में पांच मामलों की पहचान अलग-अलग राज्यों से हुई है। इनमें से दो मरीज महाराष्ट्र और केरल निवासी हैं।

अगस्त-सितंबर में होगी भारी बारिश

नई दिल्ली। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि मानसून के उत्तरार्द्ध में अगस्त-सितंबर में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने अगस्त के लिए जारी अनुमान में बताया कि इस महीने में भी मानसून के सामान्य रहने की संभावना है। महापात्र ने कहा कि पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे लगे राजस्थान के हिस्से, महाराष्ट्र के अंदरूनी हिस्सों, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब के कुछ हिस्से और हिमाचल प्रदेश में अगस्त में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण गुजरात, पूर्वोत्तर राज्यों और बिहार में इस महीने के दौरान सामान्य से अधिक बारिश हो सकती है। महापात्र ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में बताया,'अगस्त से सितंबर 2021 के दौरान समूचे देश में वर्षा के सामान्य (दीर्घावधि औसत के 95 से 105 प्रतिशत) होने की संभावना है।' वर्ष 1961-2010 की अवधि के लिए पूरे देश में अगस्त से सितंबर की अवधि की वर्षा दीर्घावधि (एलपीए) 428.3 मिमी है।

आईएमडी अगस्त-सितंबर के महीनों के लिए पूर्वानुमान जारी करता है

हर साल आईएमडी दक्षिण पश्चिम मानसून के अगस्त-सितंबर के महीनों के लिए पूर्वानुमान जारी करता है जो बरसात की चार महीने की ऋतु के आखिरी दो महीने होते हैं। आईएमडी ने कहा कि स्थानिक वितरण से पता चलता है कि देश के उत्तर, पूर्व और पूर्वी हिस्से के कई क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। उसने बताया कि प्रायद्वीपीय भारत और उससे सटे मध्य भारत के अधिकतर हिस्सों मे सामान्य से लेकर सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है।

आईएमडी ने इस साल मानसून के चार महीने के लिए माहवार पूर्वानुमान जारी करना शुरू किया है। महापात्र ने कहा,'पूरे देश में अगस्त में औसत वर्षा सामान्य से (एलपीए का 94 से 106 फीसद) होने की संभावना है।'1961 -2010 की अवधि के लिए पूरे देश में अगस्त की वर्षा एलपीए का 258.1 मिमी है।आईएमडी के मुताबिक, स्थानिक वितरण से पता चलता है कि मध्य भारत के कई क्षेत्रों और उत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से नीचे से लेकर सामान्य बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा,'प्रायद्वीप भारत और पूर्वोत्तर भारत के अधिकतर भागों में सामान्य से लेकर सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।'

अल नीनो की स्थितियों का संकेत

महापात्र ने कहा कि वर्तमान में समुद्र सतह तापमान (एसएसटी) और भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर पर वायुमंडलीय स्थितियां तटस्थ ईएनएसओ (अल नीनो) की स्थितियों का संकेत देती हैं। भारतीय मानसून को प्रभावित करने वाले कारकों में से एक एसएसटी है। मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र सतह का तापमान ठंडा होने की प्रवृत्ति दिखा रहा है।

ला नीना स्थिति के फिर से उभरने की संभावना-आईएमडी के मुताबिक, नवीनतम पूर्वानुमानों से पता चलता है कि ईएनएसओ की तटस्थ स्थिति मानसून ऋतु के शेष भाग के दौरान जारी रहने की संभावना है और मानसून ऋतु के अंत में या उसके बाद ला नीना स्थिति के फिर से उभरने की संभावना है। ला नीना प्रशांत महासागर के पानी के ठंडा होने से जुड़ा है, जबकि अल नीनो का संबंध पानी के गर्म होने से है।

सार समाचार

जेएनयू में 2020 में हुई हिंसा के मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया: सरकार

नयी दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में 2020 में हुई हिंसा के सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने किसी को गिरफ्तार नहीं किया, हालांकि कई लोगों से पूछताछ की गयी। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने द्रमुक सदस्य दयानिधि मारन के प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि दिल्ली पुलिस ने बताया है कि जनवरी, 2020 में जेएनयू परिसर में हुई हिंसा के संबंध में वसंत कुंज (उत्तर) थाने में दर्ज तीन मामलों की जांच के लिए अपराध शाखा का विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाया गया है। उन्होंने कहा, ''जांच में गवाहों से पूछताछ, फुटेज एकत्रित करना और उनका विश्लेषण करना तथा चिह्नित संदिग्धों से पूछताछ शामिल है। दिल्ली पुलिस के अनुसार इन मामलों में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

ओडिशा: केंद्रपाड़ा में विशाल समुद्री लहरों में समा गया सदियों पुराना मंदिर

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)। केंद्रपाड़ा की तटरेखा को दशकों से छिन्न-भिन्न करते, एक के बाद एक गांव को निगलते भयावह समुद्र ने हाल में सदियों पुराने पंचूवराही मंदिर को धराशयी कर दिया। इस घटना से स्थानीय लोगों की उम्मीदों को झटका लगा है जोकि प्राकृतिक संकट से राहत पाने को लेकर यहां प्रार्थना करते थे। अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार ने 2018 में समुद्र तट से करीब 10 किलोमीटर दूर स्थित बागपतिया में पुनर्वास कॉलोनी में करीब 571 संवेदनशील परिवारों को पुनर्स्थापित किया था। उन्होंने बताया कि समुद्र के कटाव से विस्थापित हुए लोगों के लिए यह राज्य में इस तरह की पहली पुनर्वास और पुनर्स्थापना पहल थी। समुद्र की जद में आए ज्यादातर हिस्से के बावजूद, गृहनगर से दूर होने के बाद भी इसके कुछ निवासी समय-समय पर सातभाया गांव आकर पंचुवरही मंदिर में दर्शन करते थे जिसके अंदर की भगवान की मूर्ति भी पुनर्वास कॉलोनी में पुनर्स्थापित कर दी गई थी। इसके पूर्व निवासियों में से एक, बसंत साहनी ने कहा कि स्थानीय लोग सातभाया गांव में मंदिर को मानवीय उपस्थिति के अंतिम प्रत्यक्ष संकेत के रूप में देखते थे।

कोरोना संक्रमण के कारण उत्तराखंड में कोविड कर्फ्यू 10 अगस्त तक बढ़ा

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण के मामलों में कमी आने के बावजूद कोई ढिलाई न देते हुए राज्य सरकार ने कोविड कर्फ्यू को 10 अगस्त तक के लिए बढा दिया। यहां इस संबंध में सोमवार देर रात मुख्य सचिव डा. सुखबीर सिंह संधु द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि 10 अगस्त की सुबह छह बजे तक कोविड कर्फ्यू प्रभावी रहेगा। इस दौरान पिछली सभी रियायतों को जारी रखा गया है। त्रसोमवार से प्रदेश भर में खुले सरकारी और निजी विद्यालयों को शिक्षा विभाग द्वारा जारी मानक प्रचलन विधि (एसओपी) का कडाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

दो युवकों पर महिला और उसकी नाबालिग बेटी के यौन उत्पीड़न का आरोप

मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश)। जिले में एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी दो युवकों की स्थानीय निवासियों ने जमकर पिटाई की और फिर से पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार की शाम युवकों ने महिला के घर में घुसकर कथित तौर पर उसका और उसकी बेटी का यौन उत्पीड़न किया। महिला के चिल्लाने पर पड़ोसियों ने युवकों को पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई करने के बाद उन्हें पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की पहचान सलीम और अरशद के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ नयी मंडी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

मेरठ में बढ़ती महंगाई को लेकर शिवसेना का मोदी सरकार के खिलाफ हल्ला बोल

मेरठ। मोदी सरकार में बढ़ती महंगाई के खिलाफ मंगलवार को मेरठ में शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा व नारेबाजी की। शिवसेना के कार्यकर्ता महिलाओं के साथ कमिश्नरी से कलेक्ट्रेट पर पहुंचे, जहां उन्होंने हाथों में बर्तन लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। शिवसेना कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन भी दिया है। शिवसेना मेरठ महानगर के प्रमुख मोहित त्यागी के नेतृत्व में शिवसेना के कार्यकर्ता छीपी टैंक स्थित कार्यालय से हंगामा प्रदर्शन करते हुए कमिश्नरी के बाहर पहुंचे इसके बाद जलूस की शक्ल में एकत्रित को सभी कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने हाथ में बर्तन लेकर महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने हंगामा प्रदर्शन करते हुए कहा कि केंद्र में मोदी सरकार है, और मोदी सरकार में महंगाई हर रोज बढ़ रही है। पेट्रोलियम पदार्थों की हर रोज कीमत बढ़ रही हैं। महंगाई ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। गैस सिलेंडर की सब्सिडी खत्म करके मोदी सरकार ने आग में घी डालने का काम किया है। पहले नोटबंदी, फिर जीएसटी और फिर लॉकडाउन ने गरीब लोगों की कमर तोड़ दी है। आम आदमी महंगाई की मार से परेशान हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार जनता को राहत देने के बजाय महंगाई के बोझ तले जनता को मार रही है। इसके बाद केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि शिवसेना मांग करती है कि पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती हुई कीमत पर अंकुश लगाया जाए। घरेलू गैस सिलेंडरों की सब्सिडी खत्म कर दी गई है वह दोबारा शुरू की जाए। शिवसेना केंद्र सरकार की बर्खास्तगी की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

भारत की राजनीति में घुसने के लिए चीन ने बनाया था वाम दलों को अपना दोस्त, विजय गोखले का खुलासा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पूर्व विदेश सचिव विजय गोखले ने अपनी नयी किताब में भारत के पड़ोसी देश के साथ संबधों को लेकर कई बड़े खुलासे किए हैं। विजय गोखले ने अपनी किताब में चीन के बारे में खुलासा किया है कि चीन ने भारत की राजनीति में दखल देने के लिए भारतीय वाम दलों का सहारा लिया था। चीन ने 2007 और 2008 के बीच भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के लिए ÷घरेलू विरोध का निर्माण÷ करने के लिए भारत में वाम दलों के साथ अपने ÷निकट संबंधों÷ का इस्तेमाल किया। यह भारतीय घरेलू राजनीति में राजनीतिक रूप से संचालित करने के लिए चीन का पहला उदाहरण था। इस कदम का भारत की राजनीति और कूटनीति पर प्रभाव पड़ा। पूर्व विदेश सचिव विजय गोखले की नई किताब, द लॉन्ग गेम-हाउ द चाइनीज नेगोशिएट विद इंडिया का हिस्सा है, जिसे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित किया गया था, जिसने हाल ही में स्टैंड हिट किया।

अपने 39 साल के राजनयिक करियर में, गोखले विदेश मंत्रालय की तरफ से चीन डेस्क पर सात साल और पूर्वी एशिया में सात साल बिताए हैं। उन्होंने चीन में भारत के राजदूत के रूप में काम किया है और उन्हें देश के शीर्ष चीन-दर्शकों में से एक माना जाता है। जनवरी 2018 में, उन्होंने विदेश सचिव के रूप में एस जयशंकर की जगह ली और पिछले साल सेवानिवृत्त हुए।

गोखले की पुस्तक में छह विषयों को शामिल किया गया है, जिन पर भारत और चीन ने पिछले 75 वर्षों में बातचीत की - भारत की पीपुल्स रिपब्लिक चीन की मान्यता से लेकर तिब्बत तक, पोखरण, सिक्किम में परमाणु परीक्षण, भारत-अमेरिका परमाणु समझौता और मसूद अजहर की %वैश्विक% के रूप में सूची संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ह्रस्ष्ट) में आतंकवाद शामिल है।

मध्यप्रदेश कैबिनेट का फैसला, अवैध शराब बेचने पर होगी फांसी,नए कानून में उम्रकैद

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश में अवैध शराब के कारोबार को लेकर कैबिनेट ने एहम फैसल लिया हैं। जानकारी मिली है कि ऐसा काम करने वाले और लोगों की जान से खिलावाड़ करने वालें को अब सजा-ए-मौत की सजा मिलेगी। मंगलवार को हुई शिवराज कैबिनेट की बैठक में अवैध शराब को गंभीर अपराध की श्रेणी में लाने के लिए कैबिनेट ने प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बताया जा रहा है कि इस प्रस्ताव को विधानसभा के मानसून सत्र में पारित किया जाएगा।

आपको बता दें कि कैबिनेट की बैठक के बाद गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि प्रदेश में अवैध शराब पर रोक लगाने के लिए आबकारी अधिनियम नीति-2021 के प्रस्ताव को कैबिनेट ने अपनी मंजूरी दे दी है। उन्होंने आगे कहा कि इसी कड़ी में नई आबकारी नीति में हैरिटेज मदिरा एक नई श्रेणी जोड़ी गई है। नई नीति में अवैध शराब बेचने पर कड़ी सजा का प्रावधान भी रखा गया है। दरअसल इससे पहले ऐसे मामलों में 10 साल की सजा का प्रवाधान था। वहीं जुमाने राशि 10 लाख थी जिसे अब बढ़ाकर 20 लाख कर दी गई है। वहीं ऐसी शराब जिनके पीने से व्यक्ति अपंग हो जाता है उसमें न्यूनतम सजा जो 1 से 6 साल थी उसको बढ़ाकर 10 से 14 साल कर दी गई है। वहीं अवैध शराब के साथ पकड़े जाने पर 6 से 10 साल की सजा मिलेगी।

हैदराबाद में बोनालू उत्सव के दौरान कोरोना नियमों की उड़ी धज्जियां

हैदराबाद। (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचाया हुआ है। चीन के वुहान शहर से निकले वायरस की अभी दूसरी लहर भारत में थमी ही थी कि फिर से कोरोना नियमों के उल्लंघन के मामले सामने आने लगे। तेलंगाना की अनूठी संस्कृति का प्रतीक माना जाने वाला बोनालू उत्सव सोमवार को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया लेकिन इस दौरान लोगों ने कोरोना नियमों का उल्लंघन किया।

समाचार एजेंसी ने हैदराबाद के पुराने शहर में सोमवार को बोनालू उत्सव का वीडियो साझा किया। जिसमें लोगों की भारी भीड़ देखी जा सकती है। इस दौरान कोरोना नियमों की जमकर धज्जियां उठी। सामाजिक दूरी, मास्क जैसे नियमों को ताक पर रख दिया गया। बोनालू उत्सव के दौरान हैदराबाद और सिकंदराबाद के 25 मंदिरों में देवी महाकाली को पारम्परिक भोजन चढ़ाते हैं। बोनालू उत्सव को साल 2014 में केसीआर सरकार ने राज्य उत्सव के तौर पर घोषित किया था। तब से यह उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है।

खत्म नहीं हुई कोरोना की दूसरी लहर, 18 ज़िलों में नए मामलों में देखी जा रही बढ़ोतरी: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस की वर्तमान स्थिति को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आज जानकारी दी गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने साफ तौर पर कहा कि फिलहाल कोरोना वायरस की दूसरी लहर खत्म नहीं हुई है। इसे नियंत्रित करना पहली चुनौती है। एक संवाददाता सम्मेलन में अग्रवाल ने कहा कि देश में अभी भी कोविड की दूसरी लहर खत्म नहीं हुई है। प्रतिदिन 30 हज़ार से ज़्यादा मामले सामने आ रहे हैं। अभी भी हमें दूसरी लहर को सबसे पहले नियंत्रण करना है।

न्यूज़ एजेंसी के मुताबिक लव अग्रवाल ने कहा कि 10 मई को देश में 37 लाख सक्रिय मामले थे वह घटकर अब 4 लाख रह गए। एक राज्य ऐसा है जहां 1 लाख से अधिक सक्रिय मामले हैं और 8 राज्य ऐसे हैं जहां 10,000 से 1 लाख सक्रिय मामले हैं। 27 राज्य ऐसे हैं जहां 10,000 से भी कम सक्रिय मामले हैं। उन्होंने कहा कि देश में 18 ज़िले ऐसे हैं जहां पिछले 4 हफ्तों से कोविड मामलों में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इन 18 ज़िलों से देश के 47.5प्र. कोविड मामले आ रहें हैं। केरल के 10 ज़िलों से पिछले एक हफ्ते में 40.6प्र. कोरोना मामले आए हैं।

लव अग्रवाल ने आगे कहा कि देश में अब तक 47.85 करोड़ कोविड वैक्सीन की डोज़ दी जा चुकी है। इसमें से 37.26 करोड़ वैक्सीन की पहली डोज़ दी गई और 10.59 करोड़ दूसरी डोज़ के रूप में दी जा चुकी है।

डेरेक ओब्रायन की पापड़ी चाट वाली टिप्पणी पर बोले नकवी, संसद की गरिमा के साथ सांसदों का भी किया घोर अपमान

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

महंगाई, रोजगार, पेगासस जासूसी समेत कई मुद्दों को लेकर संसद के मानसून सत्र में गतिरोध जारी है। इसी बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने तृणमूल कांग्रेस की आपत्तिजनक टिप्पणी को आड़े हाथों लिया है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस सांसद ने सरकार पर जल्दबाजी में विधेयकों को पारित कराने का आरोप लगाते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि बहुत दुर्भाग्य और शर्म की बात है कि तृणमूल कांग्रेस के एक संसद सदस्य ने संसद की कार्रवाई और जो संसद में कामकाज हो रहा है उसे पापड़ी चाट बनाने से जोड़कर संसद की गरिमा का तो अपमान किया ही है बल्कि संसद सदस्यों का भी घोर अपमान किया है। उनसे माफी मंगवानी चाहिए। नकवी ने

यह बात समाचार एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में कही है।

गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओब्रायन ने एक ट्वीट में कहा था कि पहले 10 दिनों में संसद में कमाल ! मोदी-शाह ने 12 विधेयक पारित कराये और इसका औसत समय सात मिनट प्रति विधेयक है। विधेयक पारित करा रहे हैं या पापड़ी चाट बना रहे हैं।

तेजस्वी-चिराग के साथ आने को लेकर लालू यादव ने दिया बड़ा बयान, पेगासस मामले में भी की जांच की मांग

पटना (एजेंसी)।

राजद प्रमुख लालू यादव आज बहुत दिनों के बाद मीडिया से मुखातिब हुए। मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने बिहार की राजनीति के साथ-साथ देश के मुद्दे पर भी अपनी राय रखी। बिहार में चिराग पासवान और तेजस्वी यादव के गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि लोजपा में जो कुछ भी हुआ वह सही नहीं है। चिराग पासवान आज भी लोजपा के नेता बने हुए हैं। मैं चाहता हूं कि तेजस्वी और चिराग साथ आएं।

बिहार में एनडीए की जीत को लेकर लालू यादव ने कहा कि हम बिहार में सरकार बनाने वाले थे। मेरे जेल में होने के बावजूद मेरे बेटे तेजस्वी यादव ने सत्ताधारी गठबंधन से अकेले लड़ाई लड़ी। हमें धोखे में रखा गया और 10-15 वोटों से हराया गया। लालू यादव ने आज के वरिष्ठ नेता शरद यादव से भी मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने मुलायम सिंह यादव से भी मुलाकात की थी।

शरद पवार से मुलाकात के बाद लालू यादव ने कहा कि मैं उनकी तबीयत के बारे में पूछताछ करने

आया था। उनकी तबीयत खराब है। उनके बिना संसद सुनी है। हम तीनों यानी कि मैं, शरद भाई और मुलायम सिंह ने कई मुद्दों पर लड़ाई लड़ी है। मैंने कल ही मुलायम सिंह यादव से भी शिष्टाचार मुलाकात की थी। पेगासस मुद्दे को लेकर लालू यादव ने कहा कि इसकी जांच होनी चाहिए और जो लोग इसमें शामिल हैं उनके नाम सामने आने चाहिए।

उत्तर प्रदेश में ओवैसी को मुख्यमंत्री का दावेदार मानने वाले राजभर दे सकते हैं भाजपा को समर्थन! पार्टी ने रखी ये शर्त

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में छोटी पार्टियों के मोर्चे का नेतृत्व करने वाले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिये पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करे तो उनकी पार्टी भाजपा का साथ देगी। भाजपा के पूर्व सहयोगी और योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री रहे राजभर ने आज यहां सत्ताधारी दल के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह से मुलाकात की। उन्होंने हालांकि शुरू में इसे 'शिष्टाचार भेंट' हीबताया था।

उन्होंने पहले भाजपा के साथ गठबंधन की संभावना को 'नगण्य' बताया था और दावा किया था कि उनकी पार्टी ही अगले साल चुनावों में भाजपा को 'नेस्तनाबूद' करेगी। राजभर ने हालांकि बाद में सत्ताधारी दल के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज नहीं किया वहीं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने कहा कि दोनों दल 2022 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। छोटे दलों के साथ मिलकर हाल में भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाने वाले राजभर ने कहा, 'भाजपा के नेता सुभासपा से गठबंधन के लिए परेशान हैं और भाजपा को सरकार बनाने के लिए सुभासपा से गठबंधन आवश्यक लग रहा है।' पूर्व मंत्री ने कहा, 'भाजपा हमारी पिछड़े वर्ग की जातिवार जनगणना, सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट को लागू करने, महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण, एक समान अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा, घरेलू बिजली का बिल माफी व पिछड़े वर्ग का मुख्यमंत्री बनाने की शर्त मानने की घोषणा कर दे तो हम भाजपा से गठबंधन पर विचार करेंगे।'

राजभर ने कहा कि भाजपा की केंद्र व राज्य में सरकार है, उनकी मांग को अमलीजामा पहनाने में भाजपा को कोई दिक्कत नही होना है। उन्होंने कहा, 'भाजपा नेतृत्व जब तक उनकी मांग को पूरा करने के लिए आगे नही बढ़ता तब तक बात कैसे बनेगी?' इससे पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के बाद राजभर ने पत्रकारों से कहा, स्वतंत्र देव सिंह पिछड़े समाज के नेता और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष हैं। हमारी उनकी शिष्टाचार मुलाकात थी, हमारे उनके व्यक्तिगत संबंध हैं। कुछ काम था उस संबंध में हम गये थे और इसका राजनीतिक मतलब कोई नहीं हैं। लोग इसका अर्थ का अनर्थ लगा रहे हैं।' इससे पहले भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व राजभर की मुलाकात के बाद कहा कि दोनों नेताओं की मुलाकात में बातचीत 'सकारात्मक' रही है और दावा किया कि दोनों दल 2022 का चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। भाजपा से गठबंधन को लेकर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह के दावे को लेकर पूछे जाने पर राजभर ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल भाजपा से गठबंधन की संभावना 'नगण्य' है। जब उनसे यह पूछा गया कि भाजपा से गठबंधन करने पर असदुद्दीन

ओवैसी नाराज तो नही होंगे, उन्होंने कहा कि उनके फैसले से मुस्लिम समाज को भी लाभ मिलना है, ऐसे में ओवैसी के नाराज होने का सवाल ही उत्पन्न नही होता।

सार समाचार

अमेरिका के ग्रीनवुड में गोलीबारी में तीन लोगों की मौत, एक संदिग्ध गिरफ्तार

कोलंबिया (अमेरिका)। दक्षिण कैरोलाइना के ग्रामीण इलाके में तीन लोगों की हत्या के संदिग्ध आरोपी को वारदात के कुछ घंटों बाद फ्लोरिडा के एक होटल से गिरफ्तार कर लिया गया। वारदात के बाद वह विमान में सवार होकर फ्लोरिडा पहुंच गया था। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। शेरिफ कार्यालय डेनिस कैली ने द इंडेक्स जनरल ऑफ ग्रीनवुड' को बताया कि गोलीबारी सोमवार अपराह्न करीब तीन बजे ग्रीनवुड काउंटी स्थित एक घर में हुई। गोलीबारी में एक पुरुष और दो महिलाओं की मौत हो गई। गोलीबारी में एक बच्चा घायल हो गया था, जिसने 911 नंबर पर फोन कर घटना की जानकारी दी। अधिकारियों ने मंगलवार सुबह एक बयान में बताया किजेफरी डेविड पॉवेल (36) को फ्लोरिडा के जैक्सनविले में एक होटल से गिरफ्तार किया गया है। शेरिफ कार्यालय डेनिस कैली ने समाचार पत्र को बताया कि पॉवेल एक वाणिज्यिक उड़ान से फ्लोरिडा पहुंचा, लेकिन इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी कि वह हवाईअड्डे पर कैसे पहुंचा या उसे क्यों गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अधिकारी गोलीबारी के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। पॉवेल के खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। ग्रीनवुड काउंटी कॉर्नर कार्यालय ने हताहत हुए लोगों की पहचान उजागर नहीं की है।

अमेरिका और भारत कई हितों और मूल्यों को साझा करते हैं, बाइडेन प्रशासन का बयान

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका और भारत के कई साझे हित एवं मूल्य हैं और अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन की हालिया भारत यात्रा के दौरान इस बात को दोहराया गया विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने सोमवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''विदेश मंत्री के रूप में ब्लिंकन की यह पहली भारत यात्रा थी। यह हमारे लिए उन तरीकों का पता लगाने का भी एक अवसर था, जिनसे हम भारत के साथ व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत और गहरा कर सकते हैं।'' ब्लिंकन की हालिया भारत यात्रा के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, ''हमने जिस दूसरे बिंदू पर बात की, वह यह है कि भारत सरकार के साथ हमारे कई साझा हित और मूल्य हैं।'' प्राइस ने कहा, ''हमने अपने आर्थिक संबंधों, व्यापारिक संबंधों, जलवायु पर सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों, क्वाड के एक महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में भारत की भूमिका और कोविड-19 महामारी को काबू करने के लिए हमारे संयुक्त सहयोग समेत इस साल की शुरुआत में क्वाड की टीका उत्पादन की क्षमता में बढ़ोतरी के संदर्भ में बात की।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन इस साल के अंत में नेता-स्तरीय क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए ''बहुत उत्सुक'' हैं।

कैपिटल दंगे का जवाब देने वाले चौथे अमेरिकी पुलिस अधिकारी ने खुदकुशी की

वाशिंगटन। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चरमपंथी समर्थकों द्वारा 6 जनवरी को किए गए कैपिटल दंगों का जवाब देने वाले चौथे अमेरिकी पुलिस अधिकारी ने आत्महत्या कर ली है। वाशिंगटन डीसी के मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग ने इसकी पुष्टि की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को जारी एक बयान में, विभाग के प्रवक्ता क्रिस्टन मेट्जगर ने कहा कि विशेष अभियान प्रभाग के भीतर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल को सौंपा गया गृहर हाशिदा 29 जुलाई को अपने आवास में मृत मिले। विभाग के जन सूचना अधिकारी सीन हिकमैन के अनुसार, मेट्रोपॉलिटन पुलिस अधिकारी काइल डेफेटैग 10 जुलाई को मृत पाए गए थे। हाशिदा 2003 में मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग में शामिल हुई थी और नवंबर 2016 से डेफेटैग विभाग के साथ थी। मेट्रोपॉलिटन पुलिस अधिकारी जेफरी स्मिथ और कैपिटल पुलिस अधिकारी हॉवर्ड लिबेंगूड, दोनों ने दंगे का जवाब दिया, इस साल की शुरूआत में आत्महत्या से मृत्यु हो गई। चार आत्महत्याओं से पहले, कैपिटल पुलिस अधिकारी ब्रायन सिकनिक को स्ट्रोक का सामना करना पड़ा और हमले का जवाब देने के एक दिन बाद प्राकृतिक कारणों से उनकी मृत्यु हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने कोविड के टीकों के लिए नकद प्रोत्साहन का प्रस्ताव किया

कैनबेरा। ऑस्ट्रेलिया के विरोध ने मंगलवार को नागरिकों को कोविड -19 के खिलाफ टीकाकरण के लिए नकद प्रोत्साहन का प्रस्ताव दिया। देश के सबसे अधिक आबादी वाले शहर सिडनी ने डेल्टा वेरिएंट द्वारा शुरू किए गए नवीनतम प्रकोप के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखी। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज ने 1 दिसंबर तक पूरी तरह से टीका लगाए गए प्रत्येक ऑस्ट्रेलियाई को 300 डॉलर नकद बोनस देने की योजना का खुलासा किया। इस प्रस्ताव पर अनुमानित रूप से 600 करोड़ डॉलर का खर्च आएगा, लेकिन अल्बानीज ने तर्क दिया कि देश भर में निरंतर लॉकडाउन की लागत काफी अधिक थी। उन्होंने नाइन नेटवर्क टेलीविजन को बताया कि यह एक सप्ताह में 200 करोड़ डॉलर की तुलना में एक छोटी राशि है कि ये बड़े पैमाने पर लॉकडाउन हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यह हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा होगा, लेकिन ऐसे समय में एक बहुत ही आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान करेगा जब श्रमिक और छोटे व्यवसाय वास्तव में इन लॉकडाउन के परिणामस्वरूप प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 30 जुलाई को प्रधान मंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कोरोनावायरस महामारी से चार चरणों के मार्ग के विवरण का खुलासा किया। योजना के तहत, जब 80 प्रतिशत वयस्क आबादी का पूरी तरह से टीकाकरण किया जाता है, तो आस्ट्रेलियाई लोगों को यात्रा की अधिक स्वतंत्रता दी जाएगी। अब तक, लगभग 19.2 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई वयस्कों को टीके की दो खुराकें मिल चुकी हैं। मंगलवार को एक बयान में, अल्बनीज ने कहा कि नकद प्रोत्साहन ऑस्ट्रेलिया को पहले 80 प्रतिशत कवरेज तक पहुंचने में मदद करेगा। अब जब ऑस्ट्रेलियाई अपना काम करने और टीकों को रोल आउट करने के लिए स्कॉट मॉरिसन पर भरोसा कर रहे हैं, तो हम विकसित दुनिया में अंतिम स्थान पर आ रहे हैं।

म्यांमार को और अस्थिर करने के पक्ष में नहीं है भारत : राजदूत तिरुमूर्ति

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि और अगस्त के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष टी एस तिरुमूर्ति ने कहा है कि म्यांमा में किसी भी प्रकार की अस्थिरता भारत को सीधे प्रभावित करेगी और नयी दिल्ली नहीं चाहती कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय ऐसा कोई कदम उठाए, जिससे दक्षिण पूर्वी एशियाई देश में और अस्थिरता पैदा हो। म्यांमा में सेना ने इस साल एक फरवरी को तख्तापलट किया था, जिसके बाद नवंबर 2020 को हुए चुनाव के परिणाम को अमान्य घोषित कर दिया गया था और नोबेल पुरस्कार से सम्मानित नेता आंग सान सू ची समेत कई नेताओं को हिरासत में ले लिया गया था।

तिरुमूर्ति ने सुरक्षा परिषद कार्यक्रम पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के संवाददाता सम्मेलन में सोमवार को कहा, ''म्यांमा हमारे लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ोसी है... इसलिए म्यांमा में जो कुछ होता है, वह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है और म्यांमा में हालात से हमारे हित सीधे जुड़े हैं।'' तिरुमूर्ति ने म्यांमा संबंधी एक सवाल के जवाब में कहा कि म्यांमा पर भारत का रुख हमेशा बिल्कुल स्पष्ट रहा है। उन्होंने कहा, ''हम म्यांमा के घटनाक्रम को लेकर गहराई से चिंतित हैं। हमने म्यांमा में हिंसा की निंदा की है। हमने अधिकतम संयम बरतने का आग्रह किया है।''

तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत ने म्यांमा में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए कानून के शासन को बनाए रखने और हिरासत में लिए गए नेताओं की रिहाई का भी आह्वान किया है। उन्होंने कहा, हमने किसी पूर्व शर्त के बिना और शांतिपूर्ण एवं तत्काल समाधान के लिए बातचीत का बार-बार आह्वान किया है। तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत ने आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन) के प्रयासों को समर्थन दिया है और वह उम्मीद करता है कि वह अपने प्रयासों एवं पांच सूत्री सहमति की दिशा में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, हमें एक रचनात्मक और समन्वित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। हम नहीं चाहते कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय कोई ऐसा कदम उठाए, जो देश (म्यांमा) को और अस्थिर करे, क्योंकि उस देश में किसी भी प्रकार भी अस्थिरता भारत को सीधे प्रभावित करेगी।''

म्यांमा से शरणार्थियों को भारत द्वारा स्वीकार नहीं करने के संबंध में एक संवाददाता के सवाल केजवाब में तिरुमूर्ति ने कहा कि यह ''बिल्कुल झूठ'' है। उन्होंने कहा, ''यह पूरी तरह झूठ है कि हम (म्यांमा के) लोगों को स्वीकार नहीं कर रहे। भारत में म्यांमा के हजारों लोग हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या भारत की अध्यक्षता के दौरान परिषद में म्यांमा की स्थिति पर चर्चा की जाएगी, भारतीय राजदूत ने कहा कि सुरक्षा परिषद के सदस्य स्थिति पर निकटता से नजर रख रहे हैं और उन्होंने म्यांमा को लेकर विचार विमर्श, निजी बैठकें और घोषणाएं की हैं।

उन्होंने फलस्तीन के बारे में एक प्रश्न के जवाब में कहा कि भारत इजराइल के साथ-साथ शांति और सुरक्षा के माहौल में एक संप्रभु, व्यवहार्य और स्वतंत्र फलस्तीनी देश की स्थापना और फलस्तीनी मकसद का निरंतर एवं लंबे समय से समर्थन करता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का दृढ़ विश्वास है कि केवल द्विराष्ट्र समाधान ही सभी फलस्तीनियों और इजराइलियों को स्थायी शांति प्रदान करेगा।

संयुक्त राष्ट्र ने नस्लवाद की चुनौतियों से निपटने के लिए एक स्थायी निकाय का किया गठन

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नस्लवाद, नस्लीय भेदभाव, विदेशियों से नफरत और असहिष्णुता जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए 'अफ्रीकी मूल के लोगों के एक स्थायी मंच' की स्थापना के प्रस्ताव को सोमवार को मंजूरी दे दी। प्रस्ताव को 193 सदस्यीय विश्व निकाय ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी है, इसमें एक ऐसे मंच की मांग की गई है जो '' अफ्रीकी मूल के लोगों की सुरक्षा और उनके जीवन की गुणवत्ता तथा आजीविका में सुधार के लिए काम करे और जिस समाज में वे रहते हैं उसमें उनका पूर्ण समावेश सुनिश्चित करें। इस फोरम की स्थापना 'इंटरनेशनल डेकेड फॉर पीपुल ऑफ अफ्रीकन डिसेंट' के दौरान की गई। इसकी शुरुआत एक जनवरी 2015 को हुई थी और यह 31 दिसम्बर 2024 तक अस्तित्व में रहेगा। यह मान्यता, न्याय और विकास के विषयों पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है। महासभा द्वारा सोमवार को स्वीकृत प्रस्ताव में कहा गया है कि नस्लवाद, नस्लीय भेदभाव, विदेशियों से नफरत और असहिष्णुता से निपटने के प्रयासों के बावजूद ये व्यापक रूप से जारी हैं और इसकी निंदा की जानी चाहिए। महासभा ने कहा, '' सभी मनुष्य स्वतंत्र हैं, उनके अधिकार तथा गरिमा समान है और उनमें समाज के विकास तथा कल्याण में रचनात्मक योगदान देने की क्षमता है। नस्लीय श्रेष्ठता का कोई भी सिद्धांत वैज्ञानिक रूप से गलत, नैतिक रूप से निंदनीय, सामाजिक रूप से अन्यायपूर्ण तथा खतरनाक है और इन्हें खारिज किया जाना चाहिए।

फिर खुली इमरान खान की पोल, तालिबान के पक्ष में पाकिस्तान ने उतार रखी है अपनी सेना

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अफगानी सेना और तालिबान के बीच भीषण युद्ध छिड़ा है। खबरें तो ये भी आ रही हैं कि पठान लैंड के 90 फीसदी इलाकों पर तालिबान ने कब्जा कर लिया है। अफगानिस्तान की ओर से तालिबान में पाकिस्तान की तरफ से आतंकी भेजने का आरोप भी समय-समय पर लगाया जाता रहा है। अब अफगानिस्तान के उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने पाकिस्तान पर गंभीर आरोप लगाते हुए इमरान सरकार की पोल खोल दी है। सालेह ने खुलकर पाकिस्तान का नाम लेते हुए कहा कि वह अफगानिस्तान में अमोनियम नाइट्रेट की सप्लाई कर रहा है। इसका इस्तेमाल कर तालिबान हमारे निर्देश अफगान नागरिकों की हत्या कर रहे हैं।

लड़ाई में तालिबान के साथ ही कई पाकिस्तानी लड़ाके भी हताहत हुए हैं। अफगान सुरक्षा बलों ने तालिबान से लड़ते हुए पाक सेना के एक अधिकारी को भी मार गिराया है। अफगानिस्तान के इस दावे ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। अफगान आर्मी 209 कॉर्प्स के मुताबिक़, जावेद नाम के एक पाकिस्तानी सेना अधिकारी को अफगानिस्तान की सेना ने मार गिराया यह पक्तिका इलाकों में तालिबान की अगुवाई कर रहे थे। पाकिस्तान की ओर से वक्त-वक्त पर तालिबान को हथियार समेत जरूरी सहायता उपलब्ध कराने की बात सामने आती रही है। लेकिन अब पाकिस्तान की तालिबान के समर्थन की पोल खुलगई है। साथ ही ये भी बात सामने आई है कि अपनी सेना को भी इनके पक्ष में उतार रखा है।

अफगानिस्तान में शांति से पाकिस्तान को होगा सबसे अधिक लाभः अमेरिका

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका ने कहा है कि अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया में पाकिस्तान की अहम भूमिका रहेगी और पड़ोसी मुल्क में शांति से सबसे अधिक लाभ पाकिस्तान को ही होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने सोमवार को दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि, '' हम तालिबान को सार्थक बातचीत के लिए प्रेरित करने सहित अफगान शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और दक्षिण एशिया में स्थिरता लाने के पाकिस्तान के प्रयासों की सराहना करते हैं।'' उन्होंने कहा, '' पाकिस्तान को बेहद लाभ मिलने वाला है और उसकी भूमिका अहम रहने वाली है।

इसके अलावा वह उन नतीजों को सामने लाने में भूमिका निभाने की स्थिति में है, जो न सिर्फ अमेरिका बल्कि उसके बहुत से अंतरराष्ट्रीय साझेदार चाहते हैं साथ ही जिसकी इच्छा क्षेत्र के बहुत से देश रखते हैं। इसलिए हम काम करना जारी रखेंगे और इस मुद्दे पर पाकिस्तानी साझेदारों के साथ संवाद जारी रखेंगे।'' पिछले सप्ताह पाकिस्तानी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोइद यूसुफ ने अमेरिका के सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन से मुलाकात की थी। प्राइस ने कहा,'' (पाकिस्तानी) राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने विदेश मंत्री (टोनी ब्लिंकन) से मुलाकात नहीं की।''

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया के संबंध में चीन के हालिया बयान का जिक्र किया कि शांति प्रक्रिया अफगान नीत और अफगान स्वामित्व वाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा, '' तो हितों में कहीं न कहीं मेल है,खासतौर पर उन क्षेत्रों में कि हम अफगानिस्तान में चाहते हैं, पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) अफगानिस्तान में क्या चाहता है और सीमाई अंतरराष्ट्रीय समुदाय अफगानिस्तान में क्या चाहते हैं। हम साझा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए साथ मिल कर काम करने के वास्ते तरीकों की तलाश जारी रखेंगे।

सीडीसी निष्कासन को नहीं रोक सकता, बाइडन ने राज्यों से कदम उठाने की अपील की

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

व्हाइट हाउस ने कहा है कि रोग नियंत्रण एवं रोकथाम (सीडीसी) ''लोगों को किराए के घरों से निकाले जाने की आशंका से बचने के लिए एक नए कानूनी अधिकार को खोजने में असमर्थ है'' और इसलिए व्हाइट हाउस ने राज्यों और स्थानीय सरकारों से किराएदारों को उनके घरों में बने रहने के लिए नीतियां बनाने का अनुरोध किया है। बड़े पैमाने पर निष्कासन से हाल में बेहद तेजी से फैल रहे कोविड-19 के डेल्टा स्वरूप के प्रसार की स्थिति और खराब होने की आशंका है। लगभग 14 लाख परिवारों ने जनगणना ब्यूरो को अगले दो महीनों में अपने किराए के घरों से निकाले जाने की ''आशंका'' जताई है।

अन्य 22 लाख लोगों का कहना है कि उन्हें किराए के घर से निकाले जाने की ''कुछ हद तक आशंका'' है। बड़े पैमाने पर लोगों को घरों से निकाले जाने की संभावना की आलोचना हो रही है कि बाइडन प्रशासन इस सप्ताह के अंत में होने वाले किराएदारों के निष्कासन के संकट का समाधान करने में धीमा रहा। व्हाइट हाउस का कहना है कि उसके पास राष्ट्रीय स्तर पर निष्कासन रोक के विस्तार का अधिकार नहीं है। देश के उच्चतम न्यायालय ने जून के अंत में संकेत दिया था कि वह विस्तार को बढ़ाने का समर्थन नहीं करेगा। न्यायाधीश ब्रेट कावानौ ने लिखा कि कांग्रेस को निष्कासन पर रोक की अवधि बढ़ाने के लिए कार्य करना होगा।

व्हाइट हाउस ने सोमवार को कहा कि लोगों का निष्कासन रोकने के लिए अगले महीने से राज्य स्तर पर प्रयास देश के एक तिहाई लोगों को निष्कासन की आशंका से बचाएंगे। बाइडन प्रशासन ने एक बयान में जोर दिया है कि किराएदारों को उनके घरों में बने रहने के लिए 46.5 अरब डॉलर मुहैया कराए गए हैं, लेकिन कई राज्य और शहर इस पर कदम उठाने में धीमे रहे।

तालिबानियों की मदद कर रहा पाकिस्तान, धार्मिक मदरसों के कई छात्रों को दी जा रही ट्रेनिंग

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच अब अमेरिका, पाकिस्तान और अफगान नेताओं ने आने वाले समय में गृहयुद्ध की चेतावनी दी है। टीओआई में छपी एक खबर के मुताबिक, पाकिस्तान से कई ÷जिहादी÷ पहले ही अफगानिस्तान में फैलने लगे हैं और कई लाशों के रूप में लौटे हैं। युद्ध से तबाह देश से अमेरिका और नाटो सैनिकों की वापसी की घोषणा के बाद तालिबान की खूनी जंग और भी तेज हो गई है। बता दें कि तालिबानियों की मदद करने के लिए पाकिस्तानी धार्मिक मदरसों के कई छात्रों को आतंकवादियों की श्रेणी में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहे है। इसके साथ ही पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों में मौलवी भी अफगान तालिबान के लिए समर्थन मांग रहे हैं और यहां तक कि चंदा भी मांग रहे हैं।

पाकिस्तान का इससे इनकार!

बता दें कि इस्लामाबाद इस बात से इनकार करता आ रहा है कि पाकिस्तान से ÷जिहादी÷ अफगानिस्तान जा रहे हैं।उत्तर-पश्चिम में खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और दक्षिण-पश्चिम में बलूचिस्तान में स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में अफगानिस्तान में तालिबान के साथ अफगान बलों के खिलाफ लड़ते हुए दर्जनों पाकिस्तानी मारे गए हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि सैकड़ों लोग दोनों प्रांतों के विभिन्न हिस्सों में पाकिस्तानी लड़ाकों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। जानकारी के लिए बता दें कि, बलूचिस्तान में, स्थानीय और अफगान आतंकवादियों के शवों के आने पर अफगानिस्तान के साथ सीमा पर पश्तून भाषी क्षेत्रों में अक्सर अंतिम संस्कार और प्रार्थना करते है। तालिबान अंतिम संस्कार में भाषण देते हैं। क्वेटा और बलूचिस्तान के अन्य हिस्सों में कई स्थानीय लोगों और गवाहों ने दावा किया कि उनके क्षेत्रों में तालिबान समर्थक गतिविधियों में वृद्धि हुई है। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री शेख रशीद अहमद ने स्वीकार किया था कि देश में आने वाले शव अफगान तालिबान के थे क्योंकि उनमें से कई के परिवार पाकिस्तान में रहते हैं।

पाकिस्तान के इस कदम से भारत के लिए दूर की कौड़ी हो जाएगा गिलगित-बाल्टिस्तान?

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर प्रदेश कई भागों में बंटा हुआ है। मौजूदा वक्त में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का क्षेत्र भारत के पास है लेकिन पाकिस्तान और चीन ने भी जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर कब्जा किया हुआ है। पाकिस्तान ने कब्जे वाले इलाके को दो भागों में बांट रखा है। आज़ाद कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान। शक्सगम वैली भी कभी पाकिस्तान के कब्जे में था लेकिन बाद में पाकिस्तान ने चीन को यह घाटी %गिफ्ट% के तौर पर दे दी थी। अभी गिलगित और बाल्टिस्तान क्षेत्र की बात करेंगे और जानने कि कोशिश करेंगे कि यह इलाका दोनों देशों के लिए क्यों बेहद महत्वपूर्ण है।

पकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान सरकार ने गिलगित-बाल्टिस्तान को देश के एक प्रदेश के रूप में शामिल करने के लिए कानूनी मसौदा को अंतिम रूप दे दिया है। बता दें कि 2009 से पहले तक गिलगित-बाल्टिस्तान को नॉर्दर्न एरियाज़ के रूप में जाना जाता था। भारत कहता रहा है कि गिलगित-बाल्टिस्तान, जम्मू-कश्मीर का भाग है जो कि भारत का अभिन्न अंग है।

पाकिस्तान द्वारा अवैध कब्ज़े वाले क्षेत्र में पाक अधिकृत कश्मीर पूरे क्षेत्र का सिर्फ 15 फीसद है और बाकी का 85 फीसद भाग गिलगित-बाल्टिस्तान। चीन-पाकिस्तान इकॉनोमिक कॉरिडोर को लेकर इस क्षेत्र का सामरिक महत्व और भी बढ़ गया है। चीन बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव पर भारी खर्च कर रहा है। इसी कड़ी में गिलगित-बाल्टिस्तान में भी भारी निवेश कर रहा है।

शुरू से शुरू करते हैं

26 अक्टूबर 1947 से पहले गिलगित जम्मू और कश्मीर रियासत का भाग रहा। यह सीधे अंग्रेजों द्वारा शासित था जिसे मुस्लिम बहुल राज्य के हिंदू राजा हरि सिंह से पट्टे पर लिया था। जब हरि सिंह भारत में शामिल हुए तो गिलगित स्कॉट्स ने विद्रोह कर दिया। गिलगित स्काउट्स ने बाल्टिस्तान पर भी कब्जा कर लिया, जो उस वक्त लद्दाख का हिस्सा था। इसके साथ ही स्कार्दू, कारगिल और द्रास पर कब्जा कर लिया। बाद की लड़ाई में भारतीय सेना ने अगस्त 1948 में कारगिल और द्रास को वापस ले लिया।

इससे पहले गिलगित-बाल्टिस्तान की क्रांतिकारी परिषद नाम की एक राजनीतिक संगठन ने गिलगित-बाल्टिस्तान की आजादी की घोषणा की थी। लेकिन नवंबर में इस संगठन ने कहा कि हम पाकिस्तान में शामिल हो रहे। शर्त थी कि गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र पर गिलगित-बाल्टिस्तान का नियंत्रण रहे।

1 जनवरी 1949 को भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम के बाद उसी साल अप्रैल में पाकिस्तान ने आजाद जम्मू और कश्मीर सरकार से स्वायत्तता के वादे पर अपने में मिलाया और गिलगित-बाल्टिस्तान को भी पाकिस्तान को सौंप दिया।

1974 में जब पाकिस्तान ने 4 प्रांत बनाए

पाकिस्तान ने 1974 में पूर्ण नागरिक संविधान की बहाली की। इसमें पंजाब, सिंध, बलोचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत थे। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और गिलगित-बाल्टिस्तान को प्रांत के तौर पर नहीं शामिल किया गया। क्यों? क्योंकि पाकिस्तान नहीं चाहता था कि इन प्रांतों को जबरन शामिल करके कश्मीर मसले पर अपने पक्ष को कमज़ोर करे। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक़ जनमत संग्रह के जरिए कश्मीर मसले का समाधान चाहता था। लेकिन एक सच यह भी है कि पाकिस्तान ने कभी पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से सेना नहीं हटाई जो कि समाधान की दिशा में पहली शर्त थी।

1975 में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर ने संविधान बनाया। यह स्वशासित स्वायत्त क्षेत्र बना। लेकिन इसका गिलगित-बाल्टिस्तान पर कोई अधिकार न था। गिलगित-बाल्टिस्तान, इस्लामाबाद से प्रशासित होता रहा। दोनों इलाकों के बीच मुख्य अंतर यह रहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों के पास खुद के संविधान द्वारा गारंटीकृत अधिकार और स्वतंत्रता थी लेकिन नॉर्दर्न एरियाज़ के लोगों का कोई राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं था। हालांकि उन्हें पाकिस्तानी नागरिक माना जाता था, लेकिन वहां के लोग चार प्रदेशों और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उपलब्ध संवैधानिक सुरक्षा के दायरे से बाहर थे।

मौजूदा वक्त में गिलगित-बाल्टिस्तान इस्लामाबाद द्वारा जारी एक आदेश गिलगित-बाल्टिस्तान आर्डर 2018 के तहत प्रशासित है। 2018 से पहले भी गिलगित-बाल्टिस्तान इस्लामाबाद द्वारा प्रशासित रहा है।

जब चीन को इस क्षेत्र में संभावनाएं दिखी

9/11 हमलों के बाद पाकिस्तान ने अपनी प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव पर विचार करना शुरू कर दिया था। यह वही दौर था जब चीन व्यापार को लेकर गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में आने को आतुर था। यही वो क्षेत्र है जो चीन और पाकिस्तान को जोड़ता है। बता दें कि अक्साई चिन और पाकिस्तान का कोई सीधा जुड़ाव नहीं है क्योंकि बीच में सियाचिन में भारत का नियंत्रण है।

साल 2009 में पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान आर्डर 2009 लाकर नॉर्दर्न एरियाज़ लेजिस्लेटिव काउंसिल को विधानसभा में बदल दिया। 33 सीटों की विधानसभा बनी। 33 में से 24 सदस्य सीधे चुने जाते हैं और 9 सदस्य मनोनीत होते हैं। इस क्षेत्र को वापस से गिलगित-बाल्टिस्तान का नाम मिला। नवंबर 2020 में हुए चुनाव में पीएम इमरान खान की पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ ने 33 में से 24 सीटों के साथ जीत हासिल की थी।

संपादकीय

उम्मीद के संकेत

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी दखल से उपजे विवाद के बाद सतही तौर पर शांति जरूर नजर आती है लेकिन तनाव अभी खत्म नहीं हुआ है। विगत में इस तनाव को खत्म करने की दिशा में सैन्य कमांडरों की ग्यारह दौर की वार्ता हो चुकी है। एक समय सैनिकों के बीच टकराव के बाद स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। कूटनीतिक प्रयासों से स्थिति में सुधार अवश्य हुआ लेकिन स्थिति सामान्य नहीं हो पायी है। भारत चाहता है कि एलओसी पर अप्रैल, 2020 वाली स्थिति बहाल हो। इसी कड़ी में शनिवार को भारत व चीन के सैन्य कमांडरों के बीच बारहवें दौर की बातचीत हुई, जो करीब नौ घंटे चली। बताते हैं कि इस सैन्य वार्ता में हॉट स्प्रिंग, गोगरा और पूर्वी लद्दाख में तनाव वाले क्षेत्रों से सैनिकों की तत्काल वापसी की बात की गई। एलएसी पर चीन की तरफ स्थित मोल्डो सीमा बिंदु पर हुई वार्ता में तनाव के बिंदुओं पर शांति बहाली व सैनिकों की वापसी प्रक्रिया पर वार्तालाप हुआ, जिसमें पहले की तरह बिना किसी बाधा के पेट्रोलिंग को बहाल करने पर चर्चा हुई। वास्तविक स्थिति दोनों देशों के सैन्य व राजनीतिक नेतृत्व के विमर्श के बाद ही सामने आने की उम्मीद है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि चीन भारत की घेराबंदी की चौतरफा कोशिश में लगा है। चीन व पाक की जुगलबंदी भारत के लिये नित नयी चुनौतियां पेश करती रहती हैं। हाल ही में अमेरिकी विदेश

मंत्री की भारत यात्रा और उस दौरान दलाई लामा के प्रतिनिधियों से उनकी वार्ता के बाद चीन खासा तिलमिलाया है। ऐसे में साम्राज्यवादी चीन के मंसूबों को समझना कठिन नहीं है। इसके बावजूद यदि सैन्य वार्ता में प्रगति होती है तो इसे सुखद ही कहा जाना चाहिए। संकेत मिल रहे हैं कि वार्ता के बाद कुछ इलाकों से सैनिकों की पूर्व स्थिति में जाने पर सहमति बनी है। विगत में दोनों देशों द्वारा विवाद के बाद एलएसी पर बड़ी संख्या में सैनिकों व भारी-भरकम सैन्य संसाधनों की तैनाती हुई है, उससे क्षेत्रीय सुरक्षा व शांति के लिये खतरा पैदा हो गया था। ऐसे में उम्मीद जगी है कि चौदहवीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पीजीके मेनन की चीनी सैन्य कमांडर से बातचीत के बाद सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। यूं तो भारत अप्रैल, 2020 की यथास्थिति को बहाल करना चाहता है, लेकिन चीन के मंसूबों के बारे में तब तक कुछ कहना जल्दबाजी होगी। खासकर जब तक चीनी सैनिक इन इलाकों से वापस नहीं चले जाते। कहा जा रहा है कि गोगरा व हॉट स्प्रिंग को लेकर कुछ सकारात्मक प्रगति हुई है। इसके साथ ही दोनों देशों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जमीनी स्तर पर स्थिरता कायम हो सके। कहा जा रहा है कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में पिछले माह हुई द्विपक्षीय बातचीत के बाद ही पूर्वी लद्दाख में शांति व स्थिरता की दिशा में सैन्य कमांडरों की बैठक संभव हो पायी है।

'आज के ट्वीट

कानून

अब कश्मीर में पत्थरबाजी करने के जुर्म में पकड़े जाने वाले अपराधी को कभी कोई सरकारी नौकरी नही मिलेगी और वह कभी विदेश यात्रा भी नही कर पायेगा ये कानून लागू हो गया है

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

जनसमर्थन से हो जनसंख्या नियंत्रण

(लेखिका -डॉ नीलम महेंद्र)

उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा जनसंख्या नियंत्रण नीति लागू करने के फैसले ने इस विषय को राजनैतिक गलियारों में चर्चा से लेकर आम लोगों के बीच सामाजिक विमर्श का केंद्र बना दिया है। राजनैतिक दल और अन्य संगठन अपने अपने वोटबैंक और राजनैतिक नफा नुकसान को ध्यान में रखकर इसका विरोध अथवा समर्थन कर रहे हैं। लेकिन अगर राजनीति से इतर बात की जाए तो यह विषय अत्यंत गम्भीर है जिसे वोटबैंक की राजनीति ने संवेदनशील भी बना दिया है। दरअसल आज भारत जनसंख्या के हिसाब से विश्व में दूसरे स्थान पर आता है और यूएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2027 तक भारत विश्व की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बनकर इस सूची में पहले स्थान पर आ जाएगा। लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि जनसंख्या के विषय में पहले स्थान पर आने वाले भारत के पास इतने संसाधन और इतनी जगह है जिससे यह भारतभूमि अपने सपूतों को एक सम्मान एवं सुविधाजनक जीवन दे सके ? तो आइए इसे कुछ आंकड़ों से समझने की कोशिश करते हैं। भारत के पास विश्व की कुल भूमि क्षेत्र का मात्र 2.4 प्रतिशत है जबकि भारत की आबादी दुनिया की कुल आबादी का 16.7 प्रतिशत है। यहाँ यह बता दिया जाए कि विश्व के डेवलप्ड यानी विकसित देशों की सामूहिक जनसंख्या 17 प्रतिशत के आसपास है और अकेले भारत की जनसंख्या 16.7 प्रतिशत । इस विषय का इससे भी अधिक चिंताजनक पहलू यह है कि भारत के एक राज्य की जनसंख्या की तुलना कई देशों की कुल जनसंख्या से की जा सकती है। जैसे उत्तरप्रदेश की जनसंख्या ब्राजील, महाराष्ट्र की मेक्सिको, बिहार की फिलीपींस, पश्चिम बंगाल की वियतनाम, मध्यप्रदेश और तमिलनाडु की तुर्की, कर्नाटक की इटली के बराबर आदि। यह आंकड़े बता रहे हैं कि स्तिथि कितना गंभीर रूप ले चुकी है। ऐसे ही कुछ और दिलचस्प आंकड़ों की बात की जाए तो विश्व का सबसे अधिक क्षेत्रफल वाला देश रूस जनसंख्या के मामले में नौवे स्थान पर है। और जो चीन जनसंख्या के मामले में पहले स्थान पर आता है वो चीन क्षेत्रफल के हिसाब से विश्व में चौथे स्थान पर आता है जबकि भारत आठवें स्थान पर। यानी भारत के पास भूमि कम है लेकिन जनसंख्या ज्यादा है। कल्पना कीजिए कि जब भारत यूएन की रिपोर्ट के अनुसार इन्हीं सीमित संसाधनों के साथ चीन को पछाड़ कर विश्व की सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा तो क्या स्थिति होगी। क्या इन परिस्थितियों में कोई भी देश गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा जैसी समस्याओं से लड़कर अपने नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने की कल्पना भी कर सकता है? लेकिन इसे भारत का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि इस देश की राजनीति उस मोड़ पर पहुंच गई है जहाँ हर विषय वोटबैंक से शुरू हो कर वोटबैंक पर ही खत्म हो जाता है। खेती किसानी हो या फिर शिक्षा स्वास्थ्य अथवा जनसंख्या जैसे मूलभूत विषय ही क्यों न हो सभी को वोटबैंक की राजनीति से होकर गुजरना पड़ता है। हमारे राजनेता अपने राजनैतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर कुछ सोच ही नहीं पाते। विगत कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि सत्ता धारी दल अगर किसी समस्या का समाधान खोजने के प्रयास में कोई कानून या नीति लेकर आता है तो विपक्ष उसके विरोध में उतर आता है। इस समय देश वाकई में अजीब दौर से गुज़र रहा है जहाँ समस्या से अधिक विकट देश के मौजूदा हालात हो गए हैं। क्योंकि एक तरफ देश में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून लाना वर्तमान परिस्थितियों में आवश्यक प्रतीत हो रहा है तो दूसरी तरफ इस विषय का राजनीतिकरण कर बड़े पैमाने पर इसका विरोध होने की आशंका भी बनी हुई है। इसलिए जनसंख्या से संबंधित कोई भी कानून बनाने से पहले आवश्यक है कि इस विषय में जन जागरूकता लाई जाए। इससे लोग बढ़ती जनसंख्या के दुष्प्रभावों और सीमित परिवार के फायदों से परिचित ही नहीं होंगे बल्कि इस विषय में दुष्प्रचार से भ्रमित होने से भी बचेंगे। हालांकि उत्तरप्रदेश सरकार की प्रस्तावित जनसंख्या नियंत्रण नीति में जनसंख्या नियंत्रित करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने की दिशा में सोचा गया है। इसलिए प्रस्तावित नीति में परिवार नियोजन करने वाले परिवारों को सरकार की ओर से विशेष सुविधाएं दी जा रही हैं तो अधिक बच्चों वाले परिवारों को इन सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। लेकिन इस विषय को लेकर राजनैतिक बयानबाजी अपने चरम पर है। उत्तरप्रदेश के उलट अगर भारत के ही राज्य केरल का उदाहरण लिया जाए तो केरल में सबसे कम सकारात्मक जनसंख्या वृद्धि दर होने के साथ साथ उच्चतम जीवन प्रत्याशा और उच्चतम लिंगानुपात है। यानी जनसंख्या की वृद्धि नियंत्रण में है, लोगों का जीवन स्तर बेहतरी की ओर अग्रसर है और लड़का लड़की का अनुपात भी देश में सबसे अधिक है। गौरतलब है कि केरल केवल जनसंख्या के मामले में ही बेहतर नहीं है वो साक्षरता के मामले में भी सबसे अधिक साक्षरता दर के साथ भारत का अग्रणी राज्य है। जबकि उत्तरप्रदेश ना सिर्फ जनसंख्या के मामले में 29 वें पायदान पर आता है बल्कि लिंगानुपात में भी 26 वें पायदान पर आता है। यहाँ यह बता दिया जाए कि केरल में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कोई कानून नहीं है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हम यह समझें कि जनसंख्या को कानून से ही नियंत्रित किया जा सकता है तो ऐसा नहीं है। कानून अपने आप में अपर्याप्त रहेगा जब तक लोग उसे स्वेच्छा से स्वीकार न करना चाहें। इसलिए सरकार चाहे किसी राज्य की हो या केंद्र की जनसंख्या नियंत्रण जैसे विषय पर जल्दबाजी में कानून लाकर जनसंख्या को कितना नियंत्रित कर पाएगी यह तो समय बताएगा लेकिन बैठे बिठाए विपक्ष को एक मुद्दा जरूर दे देगी। जैसे हमने प्लास्टिक को कानूनी तौर पर बैन करने से पहले से देश में प्लास्टिक मुक्ति को जन आंदोलन बनाया, देश को स्वच्छ रखने के लिए स्वच्छता को भी जन आंदोलन बनाकर उसमें जन जन की भागीदारी सुनिश्चित की उसी प्रकार जनसंख्या नियंत्रण के लिए भी कानून के साथ साथ जनजागरूकता के लिए विभिन्न अभियान चलाए ताकि लोग स्वेच्छा से इसमें भागीदार बनें और विपक्ष अपने मंसूबों में कामयाब नहीं हो सके। जम्मू कश्मीर इसका सबसे बेहतर उदाहरण है। चूँकि वहाँ के लोग जागरूक हो चुके थे इसलिए जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटने के समय विपक्षी दलों के विरोध को जनता का समर्थन नहीं मिला। इसी प्रकार जम्मु कश्मीर के जिला विकास परिषद के चुनावों में भी स्थानीय लोगों ने राजनैतिक स्वार्थ से प्रेरित गुपकार गठबंधन को नकार दिया था। इसलिए जनसंख्या विस्फोट के दुष्परिणामों और सीमित परिवार के फायदों के प्रति अगर लोग जागरूक होंगे तो कोई दल कोई संगठन वोट बैंक की राजनीति नहीं कर पाएगा। अतः वर्तमान परिस्थितियों में जनसंख्या नियंत्रण के लिए कानून जितना जरूरी है उतना ही जनसमर्थन भी जरूरी है जो जनजागरण से ही संभव है।

ज्ञान गंगा

उपवास

जग्गी वासुदेव

यदि आप तीस साल के हैं, तो दिन में दो बार अच्छा भोजन आप के लिए काफी है- एक सुबह में और एक शाम को। शाम के खाने के बाद, सोने के समय तक तीन घंटे का अंतराल होना चाहिए। अगर इसमें बीस से तीस मिनट की हल्की शारीरिक गतिविधि हो -जैसे बस चलना- तो आप का शरीर अधिकतर स्वस्थ रहेगा। योग में एक भोजन और दूसरे भोजन के बीच कम से कम आठ घंटे का अंतर रखने की सलाह दी जाती है। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं छह सप्ताहों के अंदर, कम से कम पचास प्रतिशत दूर हो जाएंगी। अगर आप कुछ यौगिक क्रियाएं भी करें-जैसे ध्यानस्थ होना-तो आप देखेंगे कि आप की नब्बे प्रतिशत समस्याएं चली जाएंगी। यदि दस प्रतिशत रह जाती हैं, तो हम उनका इलाज कर सकते हैं। आप को देखना चाहिए कि अमेरिका में लोग हमारे कार्यक्रमों में कैसे आते हैं! हमारे कार्यक्रम दस से बारह घंटे चलते हैं, तो वे अपने साथ कुछ बिस्किट या अन्य वस्तुएं ले आते हैं। वे कहते हैं, 'मुझे शुगर की समस्या है, मेरे लिए खाना जरूरी है'। मैं उनसे कहता हूं, 'आप बस यहां रहिए, आप मर नहीं जाएंगे'। मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि मेरे कारण, मेरे यहां, किसी की मौत नहीं होनी चाहिए। पहले दिन वे कहते हैं, 'नहीं, नहीं, मुझे खाना ही होगा'। तीसरे दिन तक वे सब कुछ छोड़ देते हैं, और बिना भोजन के बारह घंटे बैठते हैं। फिर भी वे बिल्कुल अच्छे रहते हैं। स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं है, जो आप बाहर से कर सकते हैं। स्वास्थ्य वह चीज है, जो आप को अंदर से लाना चाहिए। अगर कुछ गड़बड़ हो जाए तो आप बाहर से मदद ले सकते हैं पर यदि हर समय आप के साथ कुछ गलत हो रहा है, तो इसका अर्थ यही है कि आप एक गड़बड़ मशीन हैं। अब स्वास्थ्य व्यवस्थाएं ऐसी हो गई हैं- विशेष रूप से जहां बड़ी-बड़ी बीमा पॉलिसियां हैं-लोग हर तरह की कचरा चीजें खा रहे हैं और फिर वे डॉक्टर के पास जाते हैं और कहते हैं, 'मुझे ठीक करो'! यह बस ऐसे ही चल रहा है। आपके शरीर में हरेक कोशिका इस तरह से बनाई गई है जिससे आपका स्वास्थ्य अच्छा बने। वे सभी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए कड़ी मेहनत करती हैं, आप के सिवा।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व

नैतिक मूल्यों का अतिक्रमण रोकना जरूरी

दीपिका अरोड़ा

आधुनिक इंटरनेट सुविधा ने बहुपक्षीय प्रगति में भले ही नये आयाम स्थापित किए हों, किंतु इस सुविधा का खासा दुरुपयोग भी चलन में आया है। जहां मनोरंजन क्षेत्र पहले की अपेक्षा अधिक व्यापक एवं सर्वसुलभ बना, वहीं दूसरी ओर लोगों के रुझान में भारी परिवर्तन देखा जा रहा है। अश्लीलता के प्रति बढ़ती रुचि, पोर्नोग्राफी के रूप में समस्त सीमाओं का अतिक्रमण करने पर आमादा है। विश्वभर में पोर्नोग्राफी उद्योग एक बड़े व्यवसाय का आकार ले चुका है। वैश्विक स्तर पर संचालित पोर्नोग्राफी उद्योग से होने वाला अनुमानित मुनाफ़ा 100 बिलियन डॉलर से कहीं अधिक है। इस मामले में अमेरिका सबसे ऊपर है, व्यवसाय से प्राप्त लाभांश का लगभग 10 फीसदी यहीं से उपलब्ध होता है। भारत की बात करें तो यहां पोर्नोग्राफी पूर्णत- प्रतिबंधित है। कानूनी तौर पर पोर्न फिल्में बनाना अथवा बेचना आईपीसी की धारा के तहत आपराधिक श्रेणी में आता है। हालांकि, व्यक्तिगत तौर पर अश्लील सामग्री देखना अपराध नहीं, किंतु किसी भी प्रकार की अश्लील सामग्री अन्यत्र प्रेषित करने, इलेक्ट्रोनिक ढंग अथवा किसी अन्य माध्यम द्वारा प्रकाशित-प्रसारित करने पर एंटी पोर्नोग्राफी लॉ लागू होता है। दरअसल, विचार निरन्तर प्रवाहित होने वाली प्रक्रिया है, जिनका निर्माण पूर्णत- मनन पर आधारित है। जो कुछ हम पढ़ते, देखते अथवा सुनते हैं वही मन-मस्तिष्क में संग्रहित होकर विचारों का रूप धारण करना आरम्भ कर देता है। पठन-पाठन, दृश्य-श्रव्य सामग्री के उच्च अथवा निम्न स्तर का व्यक्ति विशेष के विचारों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। पोर्न सामग्री न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है बल्कि विद्रूप भावनाएं भड़काकर दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराधों के लिए भी उकसाती है। विशेषज्ञों के मतानुसार, नित्य प्रति बढ़ रहे यौन अपराधों में पोर्न सामग्री की उपलब्धता एक मुख्य कारण है। वर्ष 2018 में देहरादून दुष्कर्म मामले के आरोपी द्वारा उत्तराखंड हाईकोर्ट में, पोर्न फिल्म देखने के पश्चात ही आपराधिक कृत्य को अंजाम देने की बात स्वीकार की गई। विषय की गंभीरता पर संज्ञान लेते हुए वर्ष 2018 में भारत के दूरसंचार विभाग ने देश में इंटरनेट सेवा उपलब्ध करवाने वाले सभी सेवा प्रदाताओं को 827 पोर्न वेबसाइट ब्लॉक करने के आदेश जारी किए। बावजूद इसके, विश्व भर में अश्लील सामग्री देखने वालों की संख्या में यू. एस. तथा यू.के. के पश्चात भारत का तीसरा स्थान रहा। निश्चय ही, देश के लिए यह चिंता का विषय है कि दुनिया की सबसे बड़ी पोर्न वेबसाइट मानी जाने वाली 'पोर्नहब' के अनुसार भारत उसका सबसे बड़ा बाज़ार है। 2018 की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व में पोर्न साइट पर विज़िट करने वाला व्यक्ति औसतन 10 मिनट पंद्रह सेकंड का समय व्यतीत करता है। लॉकडाउन के दौरान, भारत में वर्ष 2020 के अप्रैल माह में एडल्ट साइट्स पर किया जाने वाला सर्च बढ़कर 95 फीसदी हो गया। सत्य तो यह है कि भारत में पोर्न उद्योग प्रतिबंधित होने पर भी बड़ी संख्या में चोरी-छिपे अश्लील फिल्में बनती हैं। मीडिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में, कथित रूप से एक जाने-माने व्यवसायी द्वारा पोर्न फिल्में बनाकर 'हॉट शॉट' तथा 'हॉट हिट' एप्स के माध्यम से संचालित करने की की बात सामने आई। रिपोर्ट में 'हॉट शाट' एप पर उपलब्ध ग्राहक संख्या 20 लाख होने तथा लाइव शो के माध्यम से 1.85 लाख एवं फिल्मों के ज़रिए 4.53 लाख रुपये प्रतिदिन कमाने की बात भी कही गई। मुंबई के संयुक्त पुलिस आयुक्त मिलिंद भारंबे के अनुसार नवोदित अभिनेत्रियों को वेबसीरीज़ में प्रलोभन देकर ऑडिशन के लिए बुलाया जाता था। मामला अभी विचाराधीन है।बेशक, भौतिकतावादी होने में कोई बुराई नहीं बशर्ते व्यक्तिगत लाभ कमाने हेतु नैतिक व सामाजिक मूल्यों का अतिक्रमण न हो। समाज में अश्लीलता का प्रचार-प्रसार करना तथा निज स्वार्थसिद्धि हेतु किसी प्रकार का प्रलोभन देते हुए अन्य लोगों को अनैतिक कार्यों के लिए उकसाना कदापि स्वीकार्य नहीं। किसी भी स्तर पर होने वाली अनैतिकता समाज व देश को पतन की ओर ले जाती है, सम्पूर्ण मानवता को जिसका भारी मूल्य चुकाना पड़ता है। प्रलोभन का शिकार बनने वाले युवा वर्ग को भी यह समझना होगा कि देह-प्रदर्शन सफलता की गारंटी नहीं। स्मरण रहे, नैतिक मूल्य समाज रूपी विशाल वृक्ष का सुदृढ़ मूल है और पोर्न सामग्री उन्हें खोखला करने वाला घुन। मूल का क्षरण किसी भी समाज के लिए चिंता का विषय है और देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण। निश्चय ही, देश में पोर्नोग्राफी रोकने हेतु अविलंब कड़े क़दम उठाना एवं अपराधियों को दंडित करना सरकारों तथा न्यायपालिका का संयुक्त कर्तव्य है, किंतु पोर्न सामग्री के प्रसार पर यथासंभव रोक लगाकर, भारत के सांस्कृतिक गौरव की अमूल्य धरोहर को संभालने के लिए समाज को भी पहल करनी होगी।

कुछ रोमांचक करने की चाहत है तो बनें पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं।

जब भी लोगों की छुट्टियां होती हैं तो वह कुछ अलग और रोमांचक करना चाहते हैं। ऐसे में उनके मन में सबसे पहले पैराग्लाइडिंग करने का ख्याल आता है। जमीन से कई फुट ऊपर उड़ने की चाहत भले ही लोगों के मन में हो, लेकिन इसे बिना इंस्ट्रक्टर की मदद के नहीं किया जा सकता। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं, जो आम लोगों को भी कुछ ही देर में आसमान में उड़ने के लिए टेंड करते हैं। जिस तरह लोगों के मन में कुछ रोमांचक करने की चाहत बढ़ती जा रही हैं, उसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर की जरूरत भी काफी अधिक महसूस की जाने लगी है।

क्या होता है काम

आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं। वह उन्हें छोटी से छोटी बारीक बातों की भी जानकारी देते हैं ताकि आम पैराग्लाइडर के साथ कोई अनहोनी घटना न हो। वह ग्राउंड लेवल से लेकर 100 फुट से 1000 फुट तक उंचाई में उड़ने का अभ्यास कराते हैं। कुछ नए पैराग्लाइडर काफी डरते हैं, ऐसे में उनके मन से डर निकालने का काम भी एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का ही होता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में कुछ विशेष स्किल्स होने चाहिए। सबसे पहले तो आपका निडर, हमेशा कुछ एडवेंचर्स करने की चाहत होनी चाहिए। यह नौ से पांच की जॉब नहीं है और कई बार छुट्टियों में आपको कई दिन घर से भी दूर रहना पड़ता है। इतना ही नहीं, इस क्षेत्र में केवल वही व्यक्ति टिक सकता है, जो साहसी, निडर, धैर्यवान व समझदार हो और वह शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत हो। कई बार खराब मौसम आपको चोटिल कर सकता है, इसलिए पैराग्लाइडिंग की टेक्निक जानने के साथ-साथ आपको मौसम व पर्यावरण की समझ भी होनी चाहिए। अपने काम के दौरान आपको कई तरह के लोगों को डील करना होता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छे होने चाहिए और लोगों को गाइड करने की भी क्षमता होनी बेहद जरूरी है।

योग्यता

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर बनने के लिए आप दसवीं या बारहवीं के बाद इससे संबंधित कोर्स व उचित टेनिंग लें। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें सिर्फ कोर्स करना काफी नहीं है, बल्कि आपको नियमित अभ्यास की जरूरत होती है। जब आप एक कुशल पैराग्लाइडर बन जाते हैं, तभी आप अपना करियर शुरू करें।

संभावनाएं

पैराग्लाइडिंग में कुशलता हासिल करने के बाद आप किसी टूरिस्ट कंपनी, हॉलिडे रिसॉर्ट, आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो किसी फेमस टूरिस्ट स्पॉट पर खुद का टेनिंग सेंटर भी खोल सकते हैं। जहां पर आप नए पैराग्लाइडर को दो-तीन दिन की टेनिंग देकर उड़ने के लिए सक्षम बना सकते हैं।

आमदनी

एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर के रूप में आप शुरूआती तौर पर 15 से 20 हजार रूपए प्रतिमाह कमा सकते हैं। अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी बढ़ती जाती है। वहीं अगर आप खुद को टेनिंग स्कूल खोलते हैं तो आपकी आमदनी आपके काम पर निर्भर करेगी।

प्रमुख संस्थान

- अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड पैराग्लाइडिंग
- इंस्टीटयूट ऑफ पैराग्लाइडिंग एंड पैरामोटरिंग, पुणे
- पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, गोवा
- निर्वाण एंडवेचर्स एयरप्ले पैराग्लाइडिंग स्कूल,
- इंडस पैराग्लाइडिंग स्कूल, कमशेट, मुंबई

मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं।

समुद्री जीवन में रखते हैं रूचि तो बनाएं मरीन बायोलॉजी में कॅरियर

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं। अगर आप भी कुछ थ्रिलिंग करने में विश्वास रखते हैं और समुद्री जीवन का रहस्य आपको अपनी ओर आकर्षित करता है तो आप मरीन बायोलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। यह एक ऐसा कॅरियर विकल्प है, जो काफी अलग है, इसलिए अगर आप इस क्षेत्र में जाने की सोच रहे हैं तो आपको इसके बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए

क्या होता है काम

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

स्किल्स

अगर आप भी इस क्षेत्र में खुद को स्थापिक करने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले आपमें समुद्री जीवन व उसके बारे में विस्तार से जानने की गहरी रूचि होनी चाहिए। इसके अलावा आपका शारीरिक व मानसिक तौर पर काफी मजबूत होना जरूरी है। इस क्षेत्र में काम का कोई निश्चित समय नहीं होता और इसलिए आपको इसके लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए। इसके अलावा इस क्षेत्र में आपके भीतर ऑब्जर्वेशन स्किल भी बेहतरीन होनी चाहिए ताकि आपके द्वारा की गई रिसर्च काम आ सके।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपके पास बैचलर डिग्री या मास्टर डिग्री होनी चाहिए। वहीं अगर आप कहीं पर बतौर फैकल्टी पढ़ाना चाहते हैं तो आपके पास इस क्षेत्र में डॉक्टरल डिग्री होनी चाहिए। बहुत से संस्थान मरीन बायोलॉजी में विभिन्न कोर्स करवाते हैं। वैसे अगर आप चाहें तो बायोलॉजी, जूलॉजी, फिशरीज, इकोलॉजी और एनिमल साइंस में बैचलर डिग्री प्राप्त करने के बाद कदम बढ़ा सकते हैं।

संभावनाएं

कोर्स करने के बाद छात्र सरकारी नौकरी कर सकते हैं या फिर आप एन्वार्यनमेंटल लैबोरेट्रीज, वॉटर इंडस्ट्रीज, कोस्टल अथॉरिटीज के साथ जुड़कर में भी काम कर सकते हैं। इतना ही नहीं, कुछ समय के अनुभव के बाद आप विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी यूनिवर्सिटी और शोध संस्थानों में बतौर लेक्चरार भी पढ़ा सकते हैं। वैसे कोर्स के बाद आप विदेशों में भी आसानी से करियर की राहें तलाश सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में आपकी शुरूआती आमदनी 15000 से 25000 के बीच होती है। इसके बाद आपका अनुभव बढ़ने के साथ आमदनी में भी इजाफा होता है।

प्रमुख संस्थान

- द नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ ओशनोग्राफ
- आईआईटी मद्रास
- कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़
- कोचिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- अन्नामलई यूनिवर्सिटी, अन्नामलई नगर
- गोवा यूनिवर्सिटी, पणजी

किताबों से करते हैं प्यार, तो बनाएं लाइब्रेरी साइंस में कॅरियर

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है।

आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से बेइंतहा प्यार होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी तरह, मास्टर्स डिग्री करने के लिए लाइब्रेरी साइंस में बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

संभावनाएं

अगर आप समझते हैं कि लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद आप सिर्फ लाइब्रेरियन ही बन सकते हैं, तो आप गलत है। इस कोर्स को करने के बाद आप इनफॉर्मेशन रिसोर्स स्पेशलिस्ट, रिसर्चर, मेटा-डेटा स्पेशलिस्ट और डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट के तौर पर भी काम कर सकते हैं। लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करने के बाद छात्रों को लाइब्रेरी के अलावा, गैलरीज, इंफार्मेशन एंड डाक्यूमेंटेशन सेंटर्स, पब्लिशिंग हाउस आदि में आसानी से काम मिल जाएगा। वैसे आप चाहें तो बतौर रिसर्च कंसल्टेंट भी काम कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- दिल्ली यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
- डीबीएस कॉलेज, गोविन्द नगर
- राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर
- बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, बनारस
- डीजी कॉलेज, सिविल लाइंस
- अन्नामलाई यूनिवर्सिटी, अन्नामलाई नगर
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी
- माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म, भोपाल

हिन्दी भाषा में डिग्री प्राप्त करने के बाद यहां बनाएं कॅरियर

आज के समय में हिन्दी न्यूजपेपर से लेकर मैगजीन व न्यूज चैनल्स को काफी महत्व दिया जाता है। आप भी हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं और बतौर एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर, रिपोर्टर आदि बन सकते हैं।

यह सच है कि हमारे देश में अंग्रेजी भाषा को काफी महत्व दिया जाता है, लेकिन इससे हिन्दी भाषा की महत्ता कम नहीं हो जाती। पिछले कुछ समय में हिन्दी के महत्व को दोबारा समझा जाने लगा है। हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो सदियों से चली आ रही है और वर्तमान में यह दुनिया की चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत में, हिंदी राष्ट्र की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है। अगर आपको हिन्दी भाषा से प्रेम है और आपने हिन्दी में बीए या एमए किया है तो आप टीचिंग के अलावा भी कई क्षेत्रों में खुद को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पत्रकारिता

आज के समय में हिन्दी न्यूजपेपर से लेकर मैगजीन व न्यूज चैनल्स को काफी महत्व दिया जाता है। आप भी हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं और बतौर एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर, रिपोर्टर आदि बन सकते हैं। अगर आप घर बैठकर ही कमाई करना चाहते हैं और हिन्दी भाषा में पकड़ के साथ-साथ आपका लेखन भी अच्छा है तो आप किसी ऑनलाइन हिन्दी वेबसाइट के लिए भी घर बैठकर लिख सकते हैं।

सरकारी नौकरी

सरकारी नौकरी प्राप्त करना अधिकतर लोगों का सपना होता है। आप बीए हिन्दी व एमए हिन्दी करने के बाद केन्द्रीय व राज्यों सेवाओं के अतिरिक्त एसएससी और पीएसयू में भी आवेदन कर सकते हैं।

स्क्रीन राइटिंग

बॉलीवुड फिल्म जगत और टेलीविजन शो में ऐसे राइटर्स की खासी डिमांड होती है, जिनका हिन्दी ज्ञान अच्छा हो। यहां तक कि ऑनलाइन जगत जैसे नेटफ्लिक्स और अमेजॅन पर भी हिन्दी टीवी शोज प्रसारित किए जा रहे हैं। अगर आप हिन्दी में अच्छे हैं तो आप प्रॉडक्शन हाउस, मीडिया हाउस में स्क्रप्टि राइटिंग, डायलॉग्स या लिरिक्स भी लिख सकते हैं। लेकिन अगर आप स्क्रीन राइटर बनना चाहते हैं तो आपको बीए हिन्दी करने के बाद स्क्रीन राइटिंग कोर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करनी होगी ताकि आपके भीतर लेखन की अच्छी समझ विकसित हो सके।

अनुवादक

यह भी एक मजेदार करियर ऑप्शन है, जिसमें आपके पास काम की कोई कमी नहीं होती और अगर आप चाहें तो घर बैठकर अपनी सुविधानुसार काम कर सकते हैं। एक बेहतरीन अनुवादक बनने के लिए आपकी हिन्दी के साथ-साथ किसी अन्य दूसरी भाषा पर भी पकड़ अच्छी होनी चाहिए। चूंकि आजकल हर कंपनी खुद को बेचना चाहती है, लेकिन भारत में बहुत से लोग अंग्रेजी या अन्य भाषा नहीं समझते, इसलिए अधिकतर कंपनियां अपना कंटेंट हिन्दी में मुहैया कराने के लिए ट्रांसलेटर्स की मदद लेती है।

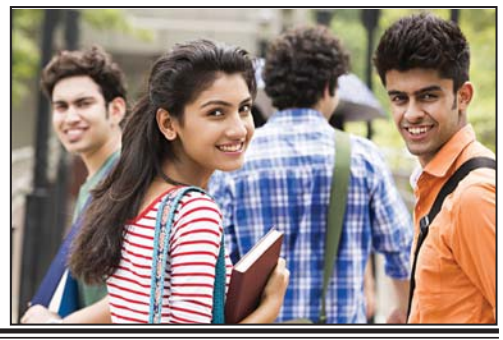

ओला 15 अगस्त को इलेक्ट्रिक स्कूटर करेगी लॉन्च

चेन्नई। इलेक्ट्रिक स्कूटर निमार्ता ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड 15 अगस्त को अपने मॉडल लॉन्च करेगी। यह जानकारी कंपनी के चेयरमैन और ग्रुप सीईओ भाविश अग्रवाल ने दी है। अग्रवाल ने मंगलवार को ट्वीट किया, उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने हमारे स्कूटर को आरक्षित किया है। 15 अगस्त को ओला स्कूटर के लॉन्च की योजना बना रहे हैं। उत्पाद और उपलब्धता की तारीखों पर पूर्ण विवरण और विवरण साझा करेंगे। कंपनी ने कहा कि वाहन के मूल्य विनिदेशरें और कीमत के बारे में निर्धारण प्रतिस्पर्धी होगा। इलेक्ट्रिक स्कूटर तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में अपने कारखाने से शुरू किया जाएगा और कुल परियोजना परिव्यय 2,354 करोड़ रुपये रखा गया है। 500 एकड़ से अधिक भूमि पर स्थापित संयंत्र विनिर्माण, बैटरी के साथ-साथ आपूर्तिकर्ता पार्कों के साथ एक एकीकृत सुविधा है। यह सुनिश्चित करता है कि 90 प्रतिशत से अधिक भाग स्थानीयकृत और निकटता में हैं।

कैनन इंडिया ने छोटे कार्यालयों के लिए नए प्रिंटर को किया लॉन्च

नई दिल्ली। कैनन इंडिया ने मंगलवार को छोटे और मध्यम आकार के कार्यालयों के लिए पेश किया है। इस प्रिंटर की कीमत 47,348 रुपये और 58,621 रुपये की कीमत में दो नए स्याही टैंक प्रिंटर-मैक्सिफाइ जीएक्स6070 और मैक्सीफाई जीएक्स7070 को लॉन्च किया है। तेज छपाई और लचीले कागज से निपटने के साथ, नए प्रिंटर को उत्पादकता और लेजर प्रिंटर जैसी दक्षता वाले और यूजर्स को व्यावसायिक उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। कैनन इंडिया के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनाबू यामाजाकी ने एक बयान में कहा, भारत कैनन के मुद्रण व्यवसाय के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक रहा है, जिसे सभी ग्राहकों के बीच हमारे स्याही टैंक प्रिंटर के लिए भारी स्वीकृति मिली है। यामाजाकी ने कहा,जैसे-जैसे हम मजबूत होते जा रहे हैं, हमें देश में छोटे व्यवसायों के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, अपनी प्रमुख मैक्सिफ श्रृंखला में स्याही टैंक प्रौद्योगिकी का विस्तार करने पर गर्व है। हम आशान्वित हैं कि प्रिंटर की नई मैक्सिफी रेंज के लिए दक्षता को बढ़ावा देगी। कंपनी ने कहा कि एंड-यूजर्स के लिए यूज में आसानी, सुविधा और उत्पादकता बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए, नए मैक्सीफाई प्रिंटर अगले स्तर की आधुनिक तकनीक और लागत अनुकूलन का समामेलन प्रदान करते हैं। यह लेटेस्ट डिजाइन के साथ कम कुल स्वामित्व में योगदान देता है जिससे यह कार्यालय के कामकाज में एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। नए प्रिंटर आधुनिक व्यवसायों और घरेलू कार्यालयों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं, जो कार्यालय में कहीं भी रखे जाने के लिए पर्याप्त लचीले हैं क्योंकि वे न केवल वायर्ड नेटवर्क इंटरफेस के साथ आते हैं, बल्कि वायरलेस कनेक्टिविटी भी हैं। यूजर्स मुफ्त कैनन प्रिंट इंकजेट और सेल्फी मोबाइल ऐप के साथ-साथ क्लाउड से प्रिंट का उपयोग करके प्रिंटर को सेटअप और संचालित कर सकते हैं।

शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल , पहली बार 16,000 अंक के ऊपर पहुंचा निफ्टी सेंसेक्स भी 53,823 के सर्वोच्च स्तर पर बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में यह उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही एचडीएफसी, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारती एयरटेल के शेयरों में आये उछाल से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 872.73 अंक करीब 1.65 फीसदी बढ़कर अबतक के सर्वोच्च स्तर 53,823.36 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 245.60 अंक तकरीबन 1.55 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 16,130.75 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी पहली बार 16,000 अंक के ऊपर बंद हुआ है। सबसे अधिक 4 फीसदी की तेजी टाइटन के शेयरों में आई। इसके अलावा, एचडीएफसी, नेस्ले इंडिया, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और भारती एयरटेल में भी अच्छी बढ़त दर्ज की गयी। वहीं दूसरी ओर बजाज ऑटो, टाटा स्टील और एनटीपीसी के शेयर गिरे हैं। जानकारों के अनुसार जीएसटी और निर्यात के बेहतर आंकड़ों से निफ्टी 16,000 अंक के ऊपर पहुंचा है। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में 280 अरब रुपये की पूंजी डाली है, इससे भी बाजार

को बल मिला है।'' खुदरा निवेशकों ने शेयर बाजारों में पैसा लगाया जबकि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इसी दौरान 95 अरब रुपये बाजार से निकाले। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सेंसेक्स 244.77 अंक बढ़कर 53,195.40 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 56.85 अंक बढ़कर 15,942 पर पहुंच गया। कंपनियों के बेहतर वित्तीय परिणाम, अनुकूल वृहत आर्थिक आंकड़े तथा विदेशों में मजबूत रुख का घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उससे भी बाजार ऊपर आया है।

होंडा 2 व्हीलर्स इंडिया की जुलाई अनुक्रमिक बिक्री 66 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन प्रमुख होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (होंडा 2 व्हीलर्स इंडिया) ने मंगलवार को जुलाई 2021 में क्रमिक रूप से कुल बिक्री में 66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। तदनुसार, होंडा 2 व्हीलर्स इंडिया की जुलाई महीने में कुल बिक्री 3,85,533 इकाई रही, जो जून की तुलना में 66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज किया है।इसमें 3,40,133 यूनिट की घरेलू बिक्री और निर्यात में 45,400 यूनिट शामिल हैं। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के निदेशक, बिक्री और विपणन, यदविंदर सिंह गुलेरिया के अनुसार, बाजार की स्थिति की निगरानी करते हुए धीरे-धीरे उत्पादन में वृद्धि, होंडा की बिक्री की गति जुलाई महीने में 4 लाख यूनिट के करीब पहुंचने के साथ तेजी से बढ़ रही है। अधिकांश के साथ हमारे डीलर नेटवर्क ने देश भर में परिचालन फिर से शुरू किया, स्कूटर के बाद मोटरसाइकिलों के लिए पूछताछ में तेज वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा, अच्छे मानसून, व्यक्तिगत गतिशीलता और आगामी त्योहारों के मौसम के लिए बढ़ती प्राथमिकता के कारण, हम बाजार के लिए तेजी से वसूली की उम्मीद करते हैं।

क्वांटास 2,500 कर्मचारियों को हटाएगा

कैनबेरा। ऑस्ट्रेलियाई ध्वज वाहक, क्वांटास ने मंगलवार को घोषणा की कि देश भर में चल रहे कोविड लॉकडाउन और सीमाएं बंद होने के बीच उसके 2,500 फ्रंटलाइन कर्मचारियों को हटा दिया जाएगा। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एक प्रेस बयान में, एयरलाइन ने कहा कि यह कदम एक अस्थायी उपाय है, जिसका उद्देश्य अंततः नौकरियों को संरक्षित करना है, जब राज्य अपनी सीमाओं को फिर से खोलना शुरू करेंगे और घरेलू उड़ान शुरू करेंगे। पिछले दो महीनों के लिए अनुमानित स्टैंड डाउन अगस्त के मध्य में लागू होगा। क्वांटास और इसकी कम लागत वाली सहायक एयरलाइन जेटस्टार दोनों के घरेलू पायलटों, केबिन क्रू और हवाई अड्डे के कर्मचारियों को पिछले महीने के अंत में नोटिस दिया गया था। क्वांटास ने कहा कि वे कुछ समय तक कर्मचारियों को भुगतान करना जारी रखेंगे। एयरलाइन के सीईओ एलन जॉयस ने एक हफ्ते पहले एक कंपनी-व्यापी ईमेल में कर्मचारियों से कहा था कि अगर कई राज्य अपनी सीमाओं को बंद रखना जारी रखते हैं तो स्टैंड डाउन की उम्मीद के घोषणा हो सकती है। जॉयस ने कहा कि जुलाई में अपनी सामान्य क्षमता के 40 प्रतिशत तक की गिरावट का हवाला देते हुए एयरलाइन को काफी नुकसान हुआ है, लेकिन वह अभी भी आशावादी है कि एयरलाइन उद्योग फिर से शुरू होगा क्योंकि राज्य फिर से खुलेंगे और टीकाकरण दरों में वृद्धि होगी।

अमेजॉन,माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के पास 42 बिलियन डॉलर क्लाउड इंफ्रा मार्केट का 63 प्रतिशत हिस्सा

नई दिल्ली।

क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं पर उद्यम खर्च दूसरी तिमाही में 42 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो पिछली तिमाही से 2.7 अरब डॉलर और 2020 की दूसरी तिमाही से 39 फीसदी अधिक है। अमेजॉन की दुनिया भर के बाजार में हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तक कम हो गई। सिनर्जी रिसर्च ग्रुप के आंकड़ों से पता चलता है कि माइक्रोसॉफ्ट और गूगल का बाजार में 30 फीसदी का योगदान है और अगले 20 क्लाउड प्रदाताओं की संयुक्त रूप से 28 फीसदी बाजार हिस्सेदारी है। सिनर्जी रिसर्च ग्रुप के मुख्य विश्लेषक जॉन डिंसडेल ने कहा,यह बाजार अमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और कुछ अन्य क्लाउड प्रदाताओं के लिए एक सफल सफलता की कहानी बना हुआ है। इतने बड़े और तेजी से विकासशील बाजार में विकास दर को वास्तव में बढ़ने की उम्मीद नहीं करेंगे। अमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल कुल मिलाकर आम तौर पर प्रति तिमाही पूंजीगत व्यय में 25 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश 340 से अधिक हाइपरस्केल डेटा केंद्रों के अपने बड़े निर्माण और कम करने की दिशा में जा रहा है। डिंसडेल

ने एक बयान में कहा, छोटे, अधिक केंद्रित क्लाउड प्रदाताओं के लिए अवसर का खजाना बना हुआ है, लेकिन बड़े तीन में से आने वाली आंखों की पॉपिंग संख्याओं से दूर देखना मुश्किल हो सकता है। लगातार चौथी तिमाही के लिए, साल-दर-साल वृद्धि दर में वृद्धि हुई, जो इतने बड़े विकास वाले बाजार के लिए असामान्य है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली तिमाहियों में, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल धीरे-धीरे अमेजॉन पर अपनी पकड़ बना रहे थे, लेकिन पिछली तिमाही से 10 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करने के बाद, अमेजॉन की दुनिया भर में बाजार हिस्सेदारी 33 प्रतिशत तक वापस आ गई। सार्वजनिक आईएएएस और पआ सेवाओं की बाजार में बड़ी हिस्सेदारी है और उनमें दूसरी तिमाही में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है, प्रमुख क्लाउड प्रदाताओं का प्रभुत्व सार्वजनिक क्लाउड में और भी अधिक स्पष्ट है, जहां शीर्ष पांच बाजार के 80 प्रतिशत को नियंत्रित करते हैं। भौगोलिक रूप से, क्लाउड बाजार दुनिया के सभी क्षेत्रों में मजबूती से विकसित हो रहा है।

आईएमएफ ने इतिहास में सबसे बड़े एसडीआर आवंटन को मंजूरी दी

वॉशिंगटन।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने कोविड -19 महामारी के बीच वैश्विक तरलता को बढ़ावा देने के प्रयास में, 65000 करोड़ डॉलर के बराबर विशेष आहरण अधिकार के एक नए सामान्य आवंटन को मंजूरी दे दी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सोमवार को आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉजीर्वा के हवाले से कहा, कि यह एक ऐतिहासिक निर्णय है, आईएमएफ के इतिहास में सबसे बड़ा एसडीआर आवंटन और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए हाथ में एक शॉट है। जॉजीर्वा ने कहा कि एसडीआर आवंटन से आईएमएफ के सभी सदस्यों को लाभ होगा, भंडार की दीर्घकालिक वैश्विक आवश्यकता को संबोधित किया जाएगा, विश्वास पैदा होगा और वैश्विक अर्थव्यवस्था का लचीलापन और स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड द्वारा प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के कुछ ही हफ्ते बाद मंजूरी मिली। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा एसडीआर आवंटन की अंतिम मंजूरी के लिए आईएमएफ के सभी सदस्यों की कुल मतदान शक्ति के 85 प्रतिशत बहुमत की आवश्यकता होती है। जरूरत के समय स्वतंत्र रूप से प्रयोग करने योग्य मुद्राओं के लिए सरकारों के बीच एसडीआर का आदान-प्रदान किया जा सकता है। आईएमएफ के अनुसार, एसडीआर का सामान्य आवंटन 23 अगस्त से प्रभावी हो जाएगा। जॉजीर्वा ने कहा कि आईएमएफ भी अपनी सदस्यता के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना जारी रखेगा ताकि एसडीआर के अमीर से गरीब और अधिक कमजोर सदस्य देशों के स्वैच्छिक चैनलिंग के लिए व्यवहार्य विकल्पों की पहचान की जा सके, ताकि उनकी महामारी की वसूली का समर्थन किया जा सके और लचीला और सतत विकास प्राप्त किया जा सके। एक प्रमुख विकल्प उन सदस्यों के लिए है जिनके पास आईएमएफ के गरीबी में कमी और विकास ट्रस्ट (पीआरजीटी) के माध्यम से कम आय वाले देशों के लिए उधार देने के लिए स्वेच्छा से अपने एसडीआर के हिस्से को चैनल करने के लिए मजबूत बाहरी स्थिति है, बयान में कहा गया है, पीआरजीटी के माध्यम से उस रियायती समर्थन को जोड़ना वर्तमान में ब्याज मुक्त है।

अपग्रेड ने वैश्विक एडटेक फर्म नॉलेजहट का किया अधिग्रहण

मुंबई।

एडटेक प्लेटफॉर्म अपग्रेड ने कहा कि उसने अज्ञात राशि के साथ नॉलेजहट का अधिग्रहण किया है। एक बड़े कंपनी, नॉलेजहट, अगले वर्ष राजस्व में 300 करोड़ रुपये को पार करने की उम्मीद करती है, जिसमें से 65 प्रतिशत उत्तरी अमेरिका, मध्य पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों से होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह कदम अगले सात से नौ महीनों के लिए गैर-रेखीय विकास को बढ़ावा देने के लिए विलय और अधिग्रहण के लिए 250 मिलियन डॉलर के उन्नयन के कुछ हफ्तों के भीतर आया है। रॉनी स्क्रूवाला, अपग्रेड चेयरपर्सन और सह-संस्थापक ने कहा,नॉलेजहट के साथ, वैश्विक 1 बिलियन कार्यबल के लिए करियर की सफलता को सशक्त बनाने के लिए एक एकीकृत लाइफलॉन्ग लर्निंग भागीदार होने पर हमारा ध्यान अभी और मजबूत हुआ है। 70 से अधिक देशों में नॉलेजहट की उपस्थिति दुनिया भर में गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षा को उदार बनाने की ग्रैड की महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाएगी। 2011 में सुब्रमण्यम रेड्डी द्वारा स्थापित, नॉलेजहट ने 2,50,000 से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है।

आईमैक का 200 मिलियन डॉलर का आईपीओ बंद हुआ

न्यूयॉर्क।

इंटरनेशनल मीडिया एक्विजिशन कॉर्प (आईएमएसी) ने दो करोड़ यूनिट की अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को बंद करने की घोषणा की है। इसकी इकाइयाँ 10 डॉलर प्रति यूनिट की कीमत पर बेची गईं, जिसके परिणामस्वरूप छूट, कमीशन और अन्य पेशकश खर्चों में कटौती करने से पहले 200 मिलियन डॉलर की कुल सकल आय हुई है। प्रत्येक इकाई में सामान्य स्टॉक का एक हिस्सा होता है, जो एक प्रारंभिक व्यापार संयोजन की समाप्ति पर सामान्य स्टॉक के एक-बीसवां (1/20) प्राप्त करने का अधिकार, और तीन-चौथाई (3/4) खरीदने के लिए एक प्रतिदेय वारंट होता है। सामान्य स्टॉक के एक शेयर की कीमत 11.50 डॉलर प्रति पूरे शेयर पर होता है। इकाइयों ने 29 जुलाई, 2021 को टिकर प्रतीक आईएमएक्यू के तहत नैस्डैक कैपिटल मार्केट (नैस्डैक) पर व्यापार करना शुरू किया। एक बार जब इकाइयों में शामिल प्रतिभूतियां अलग व्यापार शुरू करती हैं, तो सामान्य स्टॉक, अधिकार और वारंट के शेयरों को सूचीबद्ध होने की उम्मीद है। अंडरराइटर्स को अतिरिक्त आवंटन को यदि कोई हो कवर करने के लिए प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश मूल्य पर अतिरिक्त 3 मिलियन यूनिट तक खरीदने के लिए 45-दिन का विकल्प दिया गया है। इन प्रतिभूतियों से संबंधित एक पंजीकरण विवरण को यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) द्वारा 28 जुलाई, 2021 को प्रभावी घोषित किया गया था।

एनडीएमसी ने अनुकूल संपत्ति कर के लिये एक अत्याधुनिक ईआरपी मॉड्यूल का किया लोकार्पण

नई दिल्ली।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने अपने नागरिकों की बेहतर सेवा करने की प्रतिबद्धता के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, नागरिकों के लिये एक उपयोगकर्ता अनुकूल अत्याधुनिक संपत्ति कर ईआरपी (एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग) मॉड्यूल का शुभारंभ किया है। पालिका परिषद के संपत्ति कर से संबंधित इस नवीनतम ईआरपी मॉड्यूल को संपत्ति की जानकारी एकत्र करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस मॉड्यूल से संपत्ति कर की निर्धारित दरों के अनुसार संपत्ति कर की गणना करके, करों का संग्रहण पूरी तरह से पारदर्शी और नागरिक हितैषी तरीके से किया जा सकेगा। जो सेवाएं इस ईआरपी मॉड्यूल का हिस्सा हैं, उनमें संपत्ति मूल्यांकन पर आधारित नागरिक द्वारा स्व-मूल्यांकन, आपत्ति दर्ज करना, आपत्ति की सुनवाई, संपत्ति निर्माण, संपत्ति संशोधन, संपत्ति नामान्तरण, संपत्ति का सम्मिलन और विभाजन, रिक्ति छूट, संपत्ति कर रिटर्न , और रिपोर्ट प्राप्त करना शामिल है। पालिका परिषद द्वारा बनाये गए इस मॉड्यूल के माध्यम से नागरिक उनकी संपत्ति के सन्दर्भ में कर की मांग और बकाया हर समय देख सकेंगे और उसका भुगतान भी कर सकेंगे। नागरिक इसके द्वारा संपत्ति नामांतरण की प्रक्रिया भी चालू कर सकते हैं और बिना किसी परेशानी के प्रमाण पत्र प्राप्त करने का लाभ भी उठा सकते हैं। इस नई व्यवस्था से नागरिकों के लिये न केवल संपत्ति कर की गणना और भुगतान की प्रक्रिया को सुचारू, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि पूरी प्रक्रिया के समय को कम करने और पालिका परिषद द्वारा राजस्व संग्रह करने में सकारात्मक सुधार में भी सहायता मिलेगी।

आईओबी ने यूनियन बैंक को मलेशियाई बैंक में अपनी हिस्सेदारी खरीदने के लिए कहा

चेन्नई।

इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से इंडिया इंटरनेशनल बैंक, मलेशिया में अपनी 35 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने को कहा है। आईओबी के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। इंडिया इंटरनेशनल बैंक मूल रूप से बैंक ऑफ बड़ौदा (40 फीसदी हिस्सेदारी), आईओबी (35 फीसदी) और आंध्रा बैंक (25 फीसदी) के बीच तीन-तरफा संयुक्त उद्यम था। पिछले साल मेगा बैंक विलय योजना के तहत यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने आंध्रा बैंक का अधिग्रहण कर लिया था। आईओबी के प्रबंध निदेशक और सीईओ पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, हमने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया से अपनी हिस्सेदारी खरीदने के लिए कहा है। मूल्यांकन की कवायद जारी है। उनके अनुसार,आईओबी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शीघ्र और सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) के दायरे से बाहर आने की अपनी योजना के तहत मलेशियाई संयुक्त उद्यम से बाहर निकलने का फैसला किया है।

हालांकि सेनगुप्ता ने कहा कि आईओबी पीसीए के दायरे से बाहर होने की उम्मीद कर रहा है क्योंकि यह आरबीआई की शर्तों को पूरा करता है, इंडिया इंटरनेशनल बैंक से बाहर निकलने का निर्णय जारी है।

अक्ज़ोनोबल की ओर से ड्यूलक्स ने भारत का पहला यू.एस.डी.ए सर्टिफाईड बायो-बेस्ड पेंट 'ड्युलक्स बेटर लिविंग एयर क्लीन बायोबेस्ड' प्रस्तुत किया

पेंट के लिए अपने उत्साह के साथ इनोवेशन एवं सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाते हुए अक्ज़ोनोबल इंडिया ने आज अपने सबसे एक्सक्लुसिव, सुपर प्रीमियम इंटीरियर इमल्शन का लॉन्च किया, जो स्वास्थ्य एवं सेहत को सर्वोपरि रखता है। यह नया इनोवेशन 'ड्युलक्स बेटर लिविंग एयर क्लीन बायोबेस्ड' भारत का पहला यू.एस.डी.ए (यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर) सर्टिफाईड बायो-बेस्ड पेंट है और इनडोर हवा को शुद्ध करता है ताकि आपका घर ज्यादा सेहतमंद रहे।

प्राकृतिक सस्टेनेबल फॉर्मुलेशन के स्वास्थ्य व सेहत के फायदों के लिए अक्ज़ोनोबल का प्रोप्रायटरी इनोवेशन -द प्योर एयर टेक्नॉलॉजी है। दीवार एवं छत पर पेंट होने के बाद यह टेक्नॉलॉजी घर के वातावरण में इनडोर हवा में मौजूद प्रदूषक तत्वों (जैसे दैनिक कामों जैसे कुकिंग, धूम्रपान, एवं घरेलू सामान जैसे कारपेट, फर्नीचर आदि द्वारा उत्सर्जित फार्मेल्डिहाईड एवं वीओसी, यानि वोलेटाईल ऑर्गेनिक कंपाउंड) को न्यूट्रलाईज़ कर देती है।

ड्युलक्स बेटर लिविंग के लॉन्च के बारे में राजीव राजगोपाल, मैनेजिंग डायरेक्टर, अक्ज़ोनोबल इंडिया ने कहा, ''भारतीय ग्राहक घर कें अंदर ज्यादा समय बिता रहे हैं, इसलिए घर में स्वास्थ्य व सेहत ज्यादा अक्ज़ोनोबल द्वारा इनोवेटिव, ज्यादा सस्टेनेबल एवं ग्राहकों के जीवन में सुधार करने वाले सबसे खास उत्पादों के विकास में अपनी वैश्विक विशेषज्ञता के इस्तेमाल का उदाहरण है। इनोवेटिव प्योर एयर टेक्नॉलॉजी प्राकृतिक एवं बायो-बेस्ड अवयवों के गुणों के साथ हमारे ग्राहकों को सशक्त बनाती है, जो अपने परिवार के स्वास्थ्य व सेहत में सुधार के लिए प्रभावशाली व सस्टेनेबल तरीके चाहते हैं।''

पुरुष हॉकी सेमीफाइनल में बेल्जियम से हारा भारत

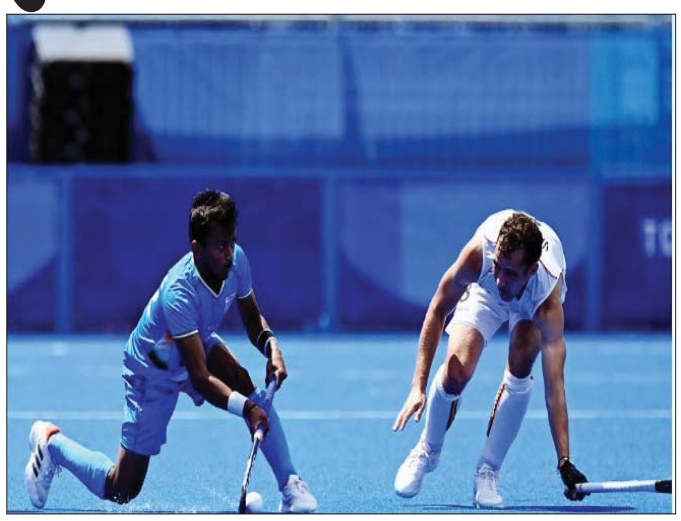

अब कांस्य के लिए खेलेगा; पीएम मोदी ने किया ट्वीट

तो यो। (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम सेमीफाइनल में बेल्जियम से 5-2 से हार गई है। अब भारतीय टीम कांस्य पदक के लिए खेलेगी। एलेक्जेंडर हेंड्रिक की हैट्रिक की बदौलत बेल्जियम ने पहले पुरुष हॉकी सेमीफाइनल में भारत को 5-2 से हराया है। वे लगातार दूसरे ओलंपिक फाइनल में प्रवेश करेंगे, जबकि भारत कांस्य के लिए जर्मनी या ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। भारत के लिए हरमनप्रीत और मनदीप ने गोल किए। बता दें कि पुरुषों की हॉकी टीम ने 49 साल के अंतराल के बाद खेलों में सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि, जीत-हार जीवन का हिस्सा है। तोक्यो 2020 पर हमारी पुरुष हॉकी टीम ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और यही मायने रखता है। टीम को अगले मैच और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। भारत को अपने खिलाड़ियों पर गर्व है'।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हौसला बढ़ाते हुए टीम को शुभकामनाएं दी था। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि, मैं भारत और बेल्जियम का हॉकी पुरुष सेमीफाइनल देख रहा हूं।हमें हमारी टीम और उनके कौशल पर गर्व है। उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं!।बता दें कि इस मैच के लिए सीआरपीएफ जवानों ने जम्मू में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का उत्साहवर्धन करते हुए 'जीतेगा भाई जीतेगा, भारत जीतेगा' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। वहं पुरुष हॉकी टीम के परिवार के सदस्य गुरजंत सिंह को अमृतसर में अपने घर पर भारतीय टीम के लिए चीयर कर रहे थे।

तोक्यो ओलंपिक : शॉटपुट क्वालीफिकेशन में तजिंदरपाल 13वें स्थान पर, फाइनल से चूके

तो यो। (एजेंसी)।

एशियाई रिकॉर्डधारी शॉटपुट (गोला फेंक) खिलाड़ी तेजिंदर पाल सिंह तूर ओलंपिक क्वालीफिकेशन में ग्रुप ए में 13वें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। तूर ने जून में इंडियन ग्रां प्री में 21 . 49 मीटर के सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन के साथ ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया था। वह ओलंपिक में पहले प्रयास में ही वैध थ्रो फेंक सके जो 19 . 99 मीटर का था।

वह 16 प्रतियोगियों में 13वें स्थान पर रहे। कंधे पर पट्टी बांधकर खेलने वाले तूर के दो प्रयास अवैध रहे। तूर दूसरे क्वालीफिकेशन (ग्रुप बी) से पहले ही बाहर हो गए। दोनों क्वालीफाइंग दौर में 21 . 20 मीटर पार करने वाले या कम से कम 12 प्रतियोगी फाइनल में पहुंचेंगे।

कांस्य पदक विजेता पीवी सिंधु स्वदेश लौटीं, हवाई अड्डे पर हुआ जोरदार स्वागत

नयी दिल्ली। ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली इकलौती भारतीय महिला खिलाड़ी पीवी सिंधू का मंगलवार को तोक्यो खेलों में बैडमिंटन में कांस्य पदक जीतने के बाद देश लौटने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। मौजूद विश्व चैंपियन सिंधू ने पांच साल पहले रियो ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया था। तोक्यो से जब वह यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल पर पहुंची तो हवाई अड्डे के कर्मचारियों ने ताली बजाकर उनका स्वागत किया। वह बाहर निकलते सुरक्षाकर्मियों से घिरी हुई थी और उन्होंने चेहरे पर मास्क लगाया था। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव अजय सिंघानिया और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के अधिकारियों ने इस स्टार भारतीय शटलर का स्वागत किया। सिंधु और उनके कोरियाई कोच पार्क ताए-संग को भी सिंघानिया ने हवाई अड्डे पर सम्मानित किया। सिंधू ने कहा, '' मैं बहुत खुश और उत्साहित हूं, निश्चित रूप से सभी ने मुझे बधाई दी है। मुझे समर्थन और प्रोत्साहित करने के लिए मैं बीएआई और सभी के प्रति आभार प्रकट करती हूं। यह एक रोमांचक दिन और खुशी का क्षण है।'' रविवार को कांस्य पदक जीतकर सिंधु दो ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की दूसरी भारतीय और पहली महिला खिलाड़ी बनी थी। हैदराबाद की इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में चीन की ही बिंग जिओ को हराया था।

सोनम मलिक पहले मैच में मंगोलिया की पहलवान बोलोरतुया से हारी, ब्रॉन्ज मेडल जीतने का मौका बरकरार

तो यो। (एजेंसी)।

युवा भारतीय पहलवान सोनम मलिक को मंगलवार को यहां महिला 62 किग्रा वर्ग के पहले दौर के मुकाबले में ही मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखू के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। ओलंपिक में पदार्पण कर रही सोनम को अब इंतजार करना होगा कि उन्हें रेपेचेज दौर में हिस्सा लेने का मौका मिलता है या नहीं। उन्नीस साल की सोनम दो 'पुश-आउट' अंक जुटाकर 2-0 से आगे चल रही थी लेकिन एशियाई चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता खुरेलखू ने भारतीय पहलवान को गिराकर दो अंक हासिल करते हुए बराबरी हासिल कर ली जबकि मुकाबले में सिर्फ 35 सेकेंड का खेल बचा था। इसके बाद अंत तक स्कोर 2-2 रहा लेकिन मंगोलिया की पहलवान को अंतिम अंक जुटाने के कारण विजेता घोषित किया गया। मुकाबले में अधिकांश समय दोनों खिलाड़ियों ने अंक जुटाने के अधिक प्रयास नहीं किए।

शुरुआती डेढ़ मिनट में दोनों खिलाड़ी एक दूसरे को परख रही थी और उन्होंने कोई बड़ा दांव नहीं लगाया। सोनम ने इसके बाद पुश-आउट अंक के साथ 1-0 की बढ़त बनाई और इसे तीन मिनट के पहले दौर के अंत तक बरकरार रखा। सोनम ने दूसरे दौर में एक और पुश-आउट अंक के साथ 2-0 की बढ़त बना ली। भारतीय पहलवान के सामने खुरेलखू अधिकांश समय कोई दांव नहीं लगा सकी। मंगोलिया की पहलवान ने इसके बाद हालांकि वापसी करते हुए सोनम का पैर पकड़ा और उन्हें गिराकर दो अहम अंक जुटा लिए। दो बार की कैडेट विश्व चैंपियन (2017, 2019) सोनम ने अप्रैल में अल्माटी में एशियाई क्वालीफायर के फाइनल में जगह बनाकर तोक्यो खेलों के लिए क्वालीफाई किया था। मंगोलिया की पहलवान अगर फाइनल में जगह बनाती है तो सोनम को रेपेचेज दौर के जरिए कांस्य पदक जीतने का मौका मिलेगा।

भाला फेंक के फाइनल में नहीं पहुंच पायी अनु रानी, 14वें स्थान पर रही

तोक्यो। भारत की अनु रानी तोक्यो ओलंपिक खेलों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर पायी और मंगलवार को यहा 54.04 मीटर के निराशाजनक प्रदर्शन के साथ 14वें स्थान पर रही। अनु ने 14 खिलाड़ियों के ग्रुप ए में 50.35 मीटर भाला फेंककर शुरुआत की और अपने दूसरे प्रयास में 53.19 मीटर की दूरी तय की। इस 29 वर्षीय एथलीट को 12 खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाने के लिये बेहतरीन प्रदर्शन करने की जरूरत थी लेकिन वह 63 मीटर के स्वत- क्वालीफिकेशन संख्या के करीब भी नहीं पहुंच पायी। अनु का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 63.24 मीटर है जो उन्होंने इस साल फेडरेशन कप में हासिल किया था। पोलैंड की मारिया आंद्रेजिक एकमात्र एथलीट रही जिन्होंने पहले प्रयास में ही 65.25 मीटर भाला फेंककर स्वत- क्वालीफाई किया। नियमों के अनुसार 63 मीटर भाला फेंकने वाले या सर्वश्रेष्ठ 12 खिलाड़ियों को फाइनल में जगह मिलती है। भाला फेंक में अब सभी की निगाहें पुरुष वर्ग में नीरज चोपड़ा पर टिकी रहेगी जिनकी स्पर्धा बुधवार को है।

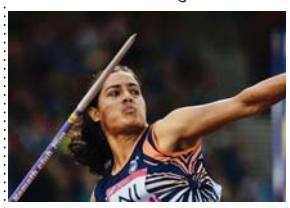

इजराइल के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता को लेकर यहूदी पहचान पर बहस छिड़ी

यरूशलम। आर्टम दोलगोपायट ने तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर अपना सपना पूरा किया लेकिन स्वदेश में उनका अपनी महिला मित्र के साथ परिणय सूत्र में बंधने का सपना शायद ही पूरा हो पाएगा। यूक्रेन में जन्मे इजराइली जिम्नास्ट ने जब इजराइल की तरफ से ओलंपिक खेलों में दूसरा स्वर्ण पदक जीता तो उन्हें राष्ट्रीय नायक बताया गया। लेकिन जश्न तब बहस में बदल गया जब उनकी मां ने कहा कि देश के रूढ़िवादी कानून के अंतर्गत उनके बेटे को यहूदी नहीं माना जाता है और उन्हें अपनी महिला मित्र से शादी करने की इजाजत नहीं मिलेगी। दोलगोपायट की मां ने कहा, ''सरकार उसे यह शादी करने की अनुमति नहीं देगी।'' उनके इस बयान के बाद ही बहस छिड़ी क्योंकि इजराइल के 'घर वापसी' के नियम के अनुसार जिसके भी दादा-दादी या नाना-नानी में कोई भी एक यहूदी होगा उसे ही इजराइली नागरिकता दी जाएगी।

ओलंपिक (महिला हॉकी) : फाइनल में जगह बनाने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

तो यो। (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम पहली बार ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचकर पहले ही इतिहास रच चुकी है और अब उसका सामना बुधवार को अर्जेंटीना से होना है, जहां उसकी नजरें फाइनल में पहुंचने पर होगी।

क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर-2 टीम ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद भारतीय टीम का मनोबल अर्जेंटीना के खिलाफ बढ़ा है। उन्होंने उम्मीद से ज्यादा प्रदर्शन किया है और उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है और शीर्ष टीमों के खिलाफ उसे खेलने का अनुभव हासिल हुआ है। हालांकि, वह ओलंपिक खेलों के फाइनल में जाने के इस मौके को गंवाना नहीं चाहेगी। ओलंपिक शुरू होने से पहले विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर रही भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर नया मानक तय किया है। भारतीय डिफेंडर और गोलकीपर सविता पुनिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया था और उनपर अर्जेंटीना के विरूद्ध इस प्रदर्शन को दोहराने का जिम्मा रहेगा। हालांकि, अर्जेंटीना की टीम ऑस्ट्रेलिया से काफी अलग है। वह काफी फिट टीम है। अर्जेंटीना के पास अगुसटीना गोरजेलानी के रूप में शॉट कॉर्नर विशेषज्ञ मौजूद हैं जबकि फॉरवर्ड अगुसटीना अल्बर्टारिओ ने दो मैदानी गोल किए हैं। भारतीय टीम को अर्जेंटीना की टीम का कुछ हद तक आईडिया है। उसने इस साल जनवरी में इनके खिलाफ मुकाबला खेला था। हालांकि, वो दोस्ताना मैच था और खिलाड़ी वहां ओलंपिक के अनुरुप गंभीर नहीं थे।कप्तान रानी रामपाल के नेतृत्व वाली महिला टीम को ग्रुप चरण में विश्व की नंबर-1 टीम नीदरलैंड के खिलाफ 1-5 से, जर्मनी के खिलाफ 0-2 से और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, उसने आयरलैंड के खिलाफ 1-0 से जीत दर्ज की और फिर दक्षिण अफ्रीका को 4-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जाने की उम्मीद बरकरार रखी। फिर ग्रेट ब्रिटेन ने आयरलैंड को हराया और भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गई।

सिर्फ 3 विकेट लेते ही अनिल कुंबले के इस वर्ल्ड रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे जेम्स एंडरसन

नॉटिंघम। मौजूदा समय में दुनियाभर के क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इंग्लैंड और भारत के बीच शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज पर लगी हुई है। बुधवार, 4 अगस्त से दोनों टीमों के बीच 22 गज की पट्टी पर घमासान युद्ध शुरू होने वाला है। पहला टेस्ट नॉटिंघम के मैदान पर खेला जाएगा। इस श्रृंखला और पहले टेस्ट मैच को लेकर फैंस और क्रिकेट पंडितों के बीच खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। नॉटिंघम टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के पास नायाब कीर्तिमान स्थापित करने का एक बेहतरीन मौका रहेगा। 39 वर्षीय एंडरसन ने अभी तक खेले 162 टेस्ट मैचों में 617 विकेट चटकाए हैं। भारत के खिलाफ पहले मैच में एंडरसन अगर तीन विकेट लेने में सफल रहे तो न सिर्फ टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन जाएंगे, बल्कि भारत के अनिल कुंबले के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ देंगे।

पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तान अनिल कुंबले ने 132 टेस्ट मैचों में 619 विकेट अपनी झोली में डाले थे। फिलहाल लाल गेंद के साथ सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में कुंबले, श्रीलंकाई दिग्गज मुथैया मुरलीधरन (800) और ऑस्ट्रेलिया के शेन वार्न (708) के बाद तीसरे स्थान पर आते हैं, लेकिन नॉटिंघम टेस्ट में एंडरसन कुंबले को पछाड़ तीसरा स्थान पर अपना कब्जा जमा सकते हैं।

भारत के खिलाफ है शानदार रिकॉर्ड

स्विंग के बेताज बादशाह जेम्स एंडरसन को भारत के खिलाफ खेलने में बड़ा मजा आता है। ऐसा हम नहीं, बल्कि आंकड़े खुद दर्शाते हैं। एंडरसन ने भारत के विरुद्ध अभी तक कुल 30 टेस्ट मैच खेले हैं और 25.30 की शानदार औसत के साथ 118 विकेट चटकाने में सफल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने चार बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट अपनी झोली में डाले हैं। बात अगर एंडरसन के इस साल के आंकड़ों की करें तो साल 2021 में भी उन्होंने अपनी तूफानी गेंदबाजी से सनसनी फैलाई हुई है और मात्र छह टेस्ट मैचों में 22.29 की औसत के साथ कुल 17 विकेट हासिल कर चुके हैं। अब यह देखना बड़ा ही दिलचस्प रहेगा कि क्या भारतीय टीम पहले टेस्ट में अनिल कुंबले के रिकॉर्ड को टूटने से बचा पाती है या नहीं।

इंग्लैंड सीरीज को लेकर सुनील गावस्कर ने की बड़ी भविष्यवाणी, कहा '4-0 से जीतेगी यह टीम'

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

आज से भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने जा रहा है। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला नॉटिंघम के मैदान पर खेला जाएगा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हारने के बाद भारतीय टीम के लिए इस सीरीज को काफी अहम माना जा रहा है।

टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने एक बड़ी भविष्यवाणी की है। गावस्कर के अनुसार, टीम इंडिया यह श्रृंखला 4-0 या 3-1 से जीतने में सफल होगी। उन्होंने कहा कि, यह मौसम पर निर्भर करेगा। गावस्कर का ऐसा मानना है कि, इंग्लैंड की टीम फिलहाल कमजोर है और भारत इसका फायदा उठा सकता है।

उन्होंने अपने बयान में कहा, 'मेरी भविष्यवाणी एक बार फिर मौसम पर निर्भर करती है, अगर गर्मी रहती है, संभावित 25 में से 22 दिन मौसम गर्म रहता है तो मुझे लगता है कि भारत 4-0 से जीतेगा। अगर मौसम कोई भूमिका निभाता है तो मुझे लगता है कि भारत 3-1से जीतेगा।'' गवास्कर ने आगे कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि सीरीज भारत जीतेगा क्योंकि इंग्लैंड की टीम कमजोर हुई है और जैसा कि हमने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में देखा उनकी बल्लेबाजी उतनी मजबूत नहीं है।''

कोहली और एंडरसन में फिर देखने को मिलेगी जंग

सुनील गावस्कर ने साथ ही अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और भारतीय कप्तान विराट कोहली सुनील गावस्कर के बीच जंग में विराट के हावी होने का समर्थन किया है। याद दिला दें कि, 2014 की सीरीज में एंडरसन ने कोहली को अपनी गेंदबाजी से खासा परेशान किया था। 10 पारियों में एंडरसन ने विराट कोहली को चार बार आउट किया था।

गावस्कर के अनुसार, ''2018 में कोहली ने जिस तरह सामंजस्य बैठाया, वह अपने आफ स्टंप को लेकर जितना सुनिश्चित था, उसे देखते हुए उसका शॉट चयन शानदार था। मुझे लगता है कि तेज गेंदबाज के रूप में एंडरसन की उम्र तीन साल अधिक है और विराट कोहली तीन साल अधिक अनुभवी है और मुझे लगता है कि बल्लेबाज 28-33-34 साल के आसपास अपनी बल्लेबाजी के शीर्ष पर होते हैं। मेरा मानना है कि विराट कोहली 2018 की तरह इस जंग में विजेता रहेगा।''

९ तारीख को कक्षा ६ से ८ की ऑफलाइन कक्षाओं मामले में निर्णय

सरकारी में निजी स्कूल से ज्यादा अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए १२ हजार जितने ज्ञानकुंज रुम का निर्माण किया गया है

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा उपस्थित हुए। इस दौरान शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा ने महत्वपूर्ण निवेदन देते हुए कहा कि, चरणबद्ध कक्षा ६ से ८ की ऑफलाइन कक्षाओं को शुरू करने का निर्णय लेंगे। ९ अगस्त के बाद राज्य सरकार की कोर कमेटी की बैठक होगी जिसमें विचार-विमर्श करके कक्षा ६ से ८ की ऑफलाइन कक्षाओं को शुरू करने का निर्णय लेंगे। अहमदाबाद के शाहीबाग स्थित प्रीतमपुरा गुजराती शाला नंबर ३ में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा उपस्थित हुए। जिसमें शिक्षामंत्री ने बताया कि, सरकार के ५ वर्ष सफलतापूर्वक पूरा होता है। ऐसे तो राज्य का २५ वर्ष पूरा होता है। लेकिन विजयभाई की सरकार के ७ अगस्त को ५ वर्ष पूरा होगा। १९६० से अभी तक जो भी सीएम आये, इसमें पहले सिर्फ ३ सीएम ने ५ वर्ष का समय पूरा किया। स्वाभाविक रूप से ५ वर्ष में सरकार ने कल्याण के कई काम किए है। सरकारी स्कूल में निजी स्कूल से ज्यादा अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए १२ हजार जितने ज्ञानकुंज रुम का निर्माण किया गया है। शिक्षा में क्वालिटी मामले में अहमदाबाद ने साबित किया है। स्कूल बोर्ड के चेयरमैन धीरेन्द्रसिंह और शासनाधिकारी लब्धीरभाई ने संबंधित समय के मेयर और हमारी टीम ने करके बताया है। शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चुडासमा ने आगे बताया है कि, कक्षा-१२ की कक्षाओं बाद कक्षा ९, १० और ११ की ऑफलाइन कक्षाओं को शुरू करने का निर्णय लिया था। हालांकि, अब ९ अगस्त के बाद राज्य सरकार की कोर कमेटी की बैठक होगी। यह कोर कमेटी की बैठक में चर्चा करके कक्षा ६ से ८ की ऑफलाइन कक्षाओं को शुरू करने का निर्णय लेंगे।

एलपी सवाणी ग्रूप ऑफ स्कूल के शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में कक्षा 10 का परिणाम

सूरत भूमि, सूरत।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के अंत में सीबीएसई बोर्ड द्वारा लिया गया कक्षा दसवीं सीबीएसई इंग्लिश मीडियम की परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। जिसमें विद्यालय के 39 विद्यार्थियों ने A1 ग्रेड 69 विद्यार्थियों ने A2 ग्रेड 92 विद्यार्थियों ने B1 ग्रेड और 67 विद्यार्थियों ने भी B2 ग्रेड के साथ उत्तीर्ण किया है। कक्षा दसवीं के 100% परिणाम आए हैं। अंग्रेजी विषय में कनिष्का गोयल, प्रांजल सोनी, राघव युग तथा एसएसटी में कनिष्का गोयल, प्रांजल सोनी, राघव युग, पिती सांड, विसा सुरतवाला ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों को और उनके परिवार को शुभेच्छा दिया।

SRF कंपनी में रासायनिक प्रक्रिया के दौरान ब्लास्ट

भरूच।

दहेज औद्योगिक आवास में स्थित एसआरएफ उद्योग में सोमवार देर शाम को कंपनी के वेसल में रासायनिक प्रक्रिया के दौरान प्रेसर बढ़ जाने पर ब्लास्ट हुआ था। जिसमें एक कर्मचारी की मौत हुई है जबकि अन्य दो घायल मजदूरों को उपचार के लिए वडोदरा की निजी अस्पताल में भेजा गया है। सेफ्टी एंड हेल्थ विभाग तथा दहेज पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, दहेज जीआईडीसी में स्थित एसआरएफ कंपनी के सी-२ प्लांट में रासायनिक प्रक्रिया चल रही थी। इस दौरान सल्फ्युरिक एसिड के टेंक में प्रेसर बढ़ जाने पर सल्फ्यूरिक एसिड फूवारा के साथ लीकेज हुआ था। इस समय ड्यूटी पर प्लांट में काम कर रहे जुबेर राणा, राजेन्द्र परमार तथा गुप्ता प्रसाद एसिड से गंभीर रूप से झुलस गये। जिसके बाद उनको तुरंत उपचार के लिए भरूच की निजी अस्पताल में भेजा गया था। जहां झुबेर राणा की उपचार के दौरान मौत हुई। जबकि गुप्ता प्रसाद और राजेन्द्र परमार की हालत ज्यादा गंभीर होने पर उनको वडोदरा की निजी अस्पताल में और उपचार के लिए भेजा गया है। इस मामले की जानकारी मिलने पर सेफ्टी एंड हेल्थ विभाग तथा दहेज पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि, कुछ दिन पहले भरूच के झगडीया स्थित केमिकल कंपनी युपीएल-५ के प्लांट में सुबह में ब्लास्ट हुआ था। यह ब्लास्ट की चपेट में २४ लोग घायल हुए थे। कंपनी में विस्फोट के बाद लगी आग में २४ कर्मचारी को चोटें आईं थी। उनको भरूच, सूरत और वडोदरा की अस्पताल में उपचार के तहत भेजा गया। गत वर्ष जून में भी भरूच की एक केमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ था। ब्लास्ट स्टोरेज टेंक में हुआ था। पटेल ग्रुप की इस कंपनी में ब्लास्ट की वजह से १० लोगों की मौत हुई थी। इसमें ६ के शब तो ब्लास्टवाली जगह पर ही मिला था। जबकि ४ की उपचार के दौरान मौत हुई थी।

फेमस ब्रांड के डुप्लीकेट कपड़े बेचने का बड़ा घोटाला पकड़ा गया

३४६३ कपड़ा, दो मोबाइल और ३३,२७० नकद मिलाकर कुल २७.९० लाख की कीमत का मालसामान जब्त किया गया

वलसाड।

वलसाड शहर में सीआईडी क्राइम द्वारा रामवाडी क्षेत्र में स्थित एक होलसेल व्यापारी की दुकान में छापेमारी की गई थी। अंकित एंटरप्राइज नाम की दुकान में ४ प्रसिद्ध कंपनी के ३४६३ नंग डुप्लीकेट कपड़े बेचते होने की जानकारी मिलने पर क्राइम ब्रांच द्वारा छापेमारी की गई थी। जिसमें क्राइम ब्रांच द्वारा २७.९० लाख का माल जब्त किया गया है। अब दो दुकान संचालकों की गिरफ्तारी की गई है। देर रात तक क्राइम ब्रांच ने जांच की। वलसाड शहर के रामवाडी क्षेत्र में स्थित अंकित एम्पोरियम नाम की दुकान में डुप्लीकेट ब्रांडेड ट्रेक और टीशर्ट बेचते कंपनी के अधिकारी और सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम ने पकड़ लिया है। ३४६३ नंग कपड़े जिसकी कीमत २७.९० लाख का कपड़े का जत्था जब्त किया गया है। दिल्ली नाइकी सहित अलग-अलग ब्रांड के सपोस्ट कपड़े को बेचती ब्रांडेड कंपनी के डुप्लीकेट कपड़े का वलसाड के रामवाडी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बिक्री कर रहे होने की कंपनी के अधिकारियों को जानकारी मिली थी। जिसके आधार पर सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम के साथ कंपनी के अधिकारियों ने वलसाड के रामवाडी क्षेत्र में स्थित पंचवटी अपार्टमेंट में स्थित अंकित एम्पोरियम नाम की दुकान में देर रात तक सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। जिसमें ३४६३ कपड़ा, दो मोबाइल और ३३,२७० नकद मिलाकर कुल २७.९० लाख की कीमत का मालसामान जब्त किया गया। इसके साथ ही अंकित एम्पोरियम के संचालक अभिषेक खंडोर और अंकित खंडोर को गिरफ्तार किया गया। वलसाड के रामवाडी क्षेत्र में स्थित अंकित एम्पोरियम नाम की दुकान में नाइकी सहित के अलग-अलग ब्रांड के लोगो का उपयोग करके स्पोर्ट के टीशर्ट और ट्रेक का होलसेल में और खुदरा बिक्री कई समय से कर रहे होने की कंपनी के अधिकारियों को जानकारी मिली थी। जिसे लेकर कंपनी के अधिकारियों और सीआईडी क्राइम ब्रांच की टीम की अंकित एम्पोरियम नाम की दुकान में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

१० लाख महिला को ०% ब्याज पर १००० करोड़ की लोन सहायता

१८१ महिला हेल्पलाइन के तहत अभी तक में ८ लाख २५ हजार से ज्यादा महिलाओं को सेवा दी गई

गांधीनगर।

विदेश की संस्कृति में नारी शक्ति की पूजा और सम्मान सिर्फ एक दिन यानी कि विश्व महिला दिवस मनाया जाता है। लेकिन भारतीय संस्कृति में महिलाओं का सम्मान यह सदियों की नित्य परंपरा रही है यानी कि भारतीय शास्त्रों में कहा गया है कि, अर्थात जहां नारी का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास है। भारत में प्राचीन समय में नारी-सम्मान की भावना देखने को मिलती थी। हमारे वेद-उपनिषदों तथा रामायन, महाभारत जैसे पौराणिक ग्रंथों ने भी नारी शक्ति की अपार महिमा गाई जाती है। उस समय में नारी को शिक्षा का पूरा अधिकार था। लोपामुद्रा, गार्गी, मैत्रेयी जैसी कई विदूषी महिलाएं उस समय की नारी शक्ति का पैमाना है। मध्य युग में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, दुर्गावती, पद्मावती तो आधुनिक युग में भी संगीत लेखन-कला-राज नीति-अंतरिक्ष -खेलकूद -विज्ञान टेक्नोलॉजी-बेंकिंग-फाइनेंस-सुरक्षा सहित के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं आगे रही है। नारी तु नारायणी कहकर इसका सम्मान किया गया है। समाज के समग्र विकास के लिए नारी का सम्मान बना रहे यह बहुत ही जरूरी है। नारी गौरव यानी कि महिलाओं का सम्मान और आत्म गौरव, उनके कामकाज की चिंता, अधिकार आदि किसी भी समाज के विकास के लिए आवश्यक होता है। मां, पत्नी, बेटी, बहू जैसी कई भूमिका द्वारा समाज और देश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महिलाओं ने महत्वपूर्ण योगदान देती है। पिछले पांच वर्ष में महिला उत्कर्ष और सशक्तिकरण सहित के करीब सभी क्षेत्रों में गुजरात के सीएम विजय रुपाणी और उपमुख्यमंत्री नीतिन पटेल की प्रगतिशील सरकार ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से और संवेदनशीलतापूर्वक तरीके से परिणामलक्षी निर्णायकता अपनाकर जन-जन को पारदर्शक शासन को महसूस कराकर प्रगतिशीलता का परचम लहराया है। ७ अगस्त, २०१६ को राज्य की जनता की सेवा के उद्देश्य हेतु विजय रुपाणी ने मुख्यमंत्री तथा नीतिन पटेल उपमुख्यमंत्री पद के शपथ लेकर गुजरात के विकास के लिए सत्ता को संभाला।

दी रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा दसवीं बोर्ड में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त किया

सरत भूमि, सूरत।

सूरत स्थित जहांगीराबाद स्थित विद्यालय दी रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा दसवीं सीबीएसई बोर्ड में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त करके सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त किया है। इस विद्यालय में खेलकूद के साथ अन्य स्पर्धाओं में भी राज्य कक्षा तथा राष्ट्रीय कक्षा श्रेष्ठ पुरस्कार मिला है। इस लॉकडाउन परिस्थिति में भी कुल 78 विद्यार्थी बोर्ड की परीक्षा के लिए तैयारी की थी। जिसमें कुल 8 विद्यार्थी ने A1 ग्रेड और कुल 17 विद्यार्थी ने A2 ग्रेड प्राप्त करके नाम रोशन किया है।

इसके साथ 15 विद्यार्थियों ने 85 PR से भी ज्यादा प्राप्त किए हैं। विद्यालय में 63 विद्यार्थी 60% से भी ज्यादा ग्रेड के साथ उत्तीर्ण हुए हैं। इस विद्यालय ने आगे के सभी रिकॉर्ड तोड़ कर बड़ी सिद्धि प्राप्त की, जिसके बदले विद्यालय के मैनेजिंग ट्रस्टी किशन भाई मांगूकिया, डायरेक्टर श्री कौशिक भाई सोनाणी और विद्यालय के आचार्य श्री तुषार परमार द्वारा विद्यार्थी अभिभावकों और शिक्षकों को शुभेच्छा दी गई और विद्यार्थी जीवन में सफलता प्राप्त करें ऐसी प्रेरणा दी गई।

नया सहकारिता मंत्रालय: बैंकिंग, डेयरी कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा

आजादी के 75 साल बाद सहकारी क्षेत्र के लिए अलग विभाग-मंत्रालय बनाने के केंद्र सरकार के फैसले से ग्रामीण इलाकों की बेड़ियां बदल जाएंगी. सबसे प्रभावशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक शानदार राजनेता और सहकारी क्षेत्र के स्नातक अमित शाह को बागडोर सौंपी है। एक सक्षम नेता को यह जिम्मेदारी सौंपने के पीछे मुख्य उद्देश्य देश भर में सहकारी बैंकों के लिए एक ही कानून लाना है। एक देश का लक्ष्य शहरी सहकारी बैंक पर भी यही कानून लागू करना है। सहकारी क्षेत्र के उद्यमियों को स्टार्ट-अप और वाणिज्य विभाग की सभी सुविधाएं प्रदान की जानी हैं। लक्ष्य एक नई सहकारी नीति तैयार करना और उसे लागू करना है। इसीलिए अहमदाबाद जिला सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को अपने पूर्व अध्यक्ष अमित शाह की नियुक्ति पर गर्व महसूस होता है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी को भी धन्यवाद देता हूं। केंद्र सरकार का यह ऐतिहासिक कदम एक अलग प्रशासनिक, कानूनी और नीतिगत ढांचा तैयार करेगा। इससे सहकारिता आंदोलन को और मजबूती मिलेगी। मल्टी स्टेट कोऑपरेटिव बैंक की ग्रोथ में भी तेजी आएगी।

इस प्रकार, बिना सहयोग के, मोक्ष के आदर्श वाक्य के साथ, सहकारिता गतिविधि 116 साल पहले वर्ष 1904 में शुरू हुई थी। डेयरी, चीनी मिलों और बैंकिंग और विपणन क्षेत्रों में, सहकारी क्षेत्र ने गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित पूरे देश में पैठ बना ली है। इफको, कृभाको और अमूल सहकारी क्षेत्र में सफलता के शिखर हैं। ये संगठन पूरी दुनिया में जाने जाते हैं।

सहयोग से समृद्धि के पथ पर पदार्पण करेंगे। सहकारी गतिविधि गरीबों की समृद्धि के द्वार खोलती है। इस तथ्य को नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री बनने से पहले ही स्वीकार कर लिया है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने सहकारिता क्षेत्र को प्राथमिकता दी है कि वह गांव के सबसे कम उम्र के लोगों के लिए उपयोगी हो और ग्रामीण लोगों को मुक्त करे।

सहकारिता एक ऐसा क्षेत्र है जिससे ग्रामीण लोगों की समृद्धि बढ़ेगी और उनका शहर की ओर पलायन कम होगा। भाजपा में सहकारिता प्रकोष्ठ का गठन इसका जीता जागता प्रमाण है। केंद्र में जाकर वर्ष 2020-21 के बजट में अलग से च्प्सहकारिता मंत्रालयज्ज बनाने की घोषणा करते हुए इसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय से अलग कर एक स्वतंत्र सहकारिता विभाग की स्थापना की। साथ ही बजट में अपना वादा निभाते हुए सहयोग के माध्यम से समृद्धि की ओर बढ़ने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक कदम बढ़ाया है।

विवाहिता के प्रेम में पागल किशोर ने आत्महत्या कर ली

सूरत।

प्रेम जैसी घटना या किसी के डराने के धमकी देने के मामले में किशोर अवस्था में रहा व्यक्ति के दिमाग पर खराब असर करता है। ऐसा ही सूरत में हुई एक घटना सामने आई है जिसमें प्रेम में रहे किशोर को जबकि शादीशुदा महिला से दूर किया गया तो इसे इस बात से भारी दुखी हो गया। शोक में डूब गये किशोर ने जान गंवाई है। इस मामले में पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। सूरत के सचिव क्षेत्र में १६ वर्ष के किशोर को प्रेम मामले में विफलता मिलने की वजह से आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई है। घटना कुछ ऐसी है कि १६ वर्ष का लड़का इसके गांव में रहती शादीशुदा महिला के प्रेम हो गया। किशोरावस्था में होने से युवक को धमकी देकर विवाहिता से अलग किए जाने से इस बात से भारी दुखी हो गया जिसकी वजह से उसने गलत कदम उठा लेने की जानकारी मिल रही है। महिला पहले से शादीशुदा थी ऐसे में किशोर इसके प्रेम में पड़ने पर दो परिवार के लिए मुश्किल पैदा नहीं हो इसे ध्यान में रखकर युवक को विवाहिता से दूर करके सूरत में लाया गया जहां इसने अकेलापन नहीं जी सकने पर आत्महत्या कर ली है। यह युवक महिला को भूल नहीं सका और इसे पाना चाहता था लेकिन समाज के बंधन की वजह से ऐसा हो सके वैसा नहीं था, जिसकी वजह से यह १६ वर्ष के लड़के ने नहीं करने का किया। विवाहिता के प्रेम में पड़े किशोर ने की आत्महत्या के केस में पुलिस द्वारा आगे की जांच शुरू की गई है, जिसमें प्राथमिक जांच में प्रेम मामला होने का सामने आ रहा है। अब यह युवक को किसी ने डराया या धमकी दी है कि नहीं इस मामले में पुलिस द्वारा जांच की जाएगी तब जानकारियां सामने आएगी। फिलहाल तो युवक के शव को लेकर पंचनामा करके पुलिस द्वारा आत्महत्या का कारण मालूम करने की जांच की जा रही है। इस केस में विवाहित महिला दोषी है कि नहीं या परिवार के सदस्य लड़के ने उठाये कदम के लिए जिम्मेदार है कि नहीं इस मामले में जांच की जाएगी।

युनिज़ा ग्रुप ने यूएस की लाइसुलिन के साथ विशेष साझेदारी की, भारत में डायबिटीज़ के लिए यूएस पेटन्टेट न्यूट्रीशनल सप्लीमेंट लाइसुलिन लॉन्च किया

अहमदाबाद।

अहमदाबाद की नई फार्मा कंपनी युनिज़ा ग्रुप, जिसने अपने संचालन का एक साल पूरा कर लिया है, ने भारतीय बाज़ार में एक आधुनिक पोषक उत्पाद लाइसुलिन के लॉन्च के लिए यूएसए की इनोवेटर कंपनी लाइसुलिन इंक के साथ एक्सक्लुज़िव साझेदारी की है। लाइसुलिन लाइसीन सप्लीमेंट्स के उपयोग द्वारा प्रोटीन ग्लोकेशन की रोकथाम के लिए यूएसए में पेटेंटेड है, इसका उपयोग सप्लीमेंट के रूप में डायबिटीज़ में किया जाता है।

युनिज़ा पशुपति ग्रुप का फार्मास्युटिकल वेंचर है। कंपनी ने गुजरात में अहमदाबाद के नज़दीक कडी में WHO-GMP और PIC/S नियमों का अनुपालन करने वाली आधुनिक सुविधा की स्थापना की है। अगस्त 2020 में भारतीय कारोबार की शुरूआत करने के बाद कंपनी ने धीरे-धीरे अपने उत्पादों की रेंज को 80 एसकेयू तक विस्तार कर लिया है और पहले साल में रु 25 करोड़ की बिक्री दर्ज की है।

इस अवसर पर श्री श्रीकांत शेशाद्री, सीईओ एवं मैनेजिंग पार्टनर, युनिज़ा हेल्थकेयर ने कहा, "हम भारत में सर्वश्रेष्ठ विश्वस्तरीय हेल्थकेयर प्रोडक्ट पेश करने के लिए प्रयासरत हैं। लाइसुलिन, शोनेज़ एवं केराटिज़ा का लॉन्च हमारी इसी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। डर्मेटोलोजी, कार्डियोलोजी एवं डायबिटीज़ मैनेजमेन्ट पर ध्यान केन्द्रित करते हुए हम एंटी फंगल, एंटी डैंड्रफ प्रोडक्ट, मॉइश्चराइज़र, एंटीबायोटिक, एंटी एलर्जिक, एंटी-एक्ने, मल्टी-विटामिन, एंटी हाइपरटेंसिव प्रोडक्ट, ओरल हाइजीनिक एजेंट, ओरल हाइपोग्लासेमिक एजेंट, लिपिड लोवरिंग एजेंट एवं आयरन प्रिपरेशन्स पेश करते हैं।"

श्री सौरीन परीख, एमडी, युनिज़ा ग्रुप एवं संस्थापक पशुपति ग्रुप ने कहा, "युनिज़ा उच्च गुणवत्ता के

लागत प्रभावी फॉर्मूले लेकर आता है। हमारी आर एण्ड डी एवं प्रोडक्शन टीम सख्ती से GMP निर्देशों और WHO के नियमों का पालन करते हुए विश्वस्तरीय उत्पादों का निर्माण करती है। हमारा इंटरनेशनल कारोबार मुख्य रूप से ROW बाज़ारों जैसे अफ्रीका, लाटम, दक्षिण-पूर्वी एशिया और सीआईएस देशों पर ध्यान केन्द्रित करता है, तथा 180 से अधिक डोज़ियर्स फाईल करने की योजना बना रहा है। हमारे भारतीय कारोबार ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में रु 100 करोड़ की बिक्री का लक्ष्य तय किया है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)